■ आषाढ़ कृष्णा - 2 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 325 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » रविवार » 23-06-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करेगी मप्र सरकार : मोहन यादव

6 भीम बहादुर थापाः लक्ष्य तक पहुंचने के लिए बढ़ाते रहे हौसला, 21 बलिदानियों में हुए शामिल

7 लॉस एंजिल्स 2024 के इंडियन फिल्म फेस्टिवल के लिए जूरी में शामिल हुईं श्रिया पिलगांवकर

फर्स्ट टेक

भोजशाला सर्वेक्षण: सनातन धर्म से जुड़ी मूर्तियां मिलने का दावा

धार (मप्र)/भाषा। एक हिंदू नेता ने शनिवार को दावा किया कि मध्य प्रदेश के धार में भोजशाला-कमाल मौला मस्जिद परिसर में अदालत के आदेश पर वैज्ञानिक सर्वेक्षण के दौरान सनातन धर्म से संबंधित मूर्तियां मिली हैं। हालांकि, मुस्लिम पक्ष ने कहा कि ये मूर्तियां एक झोपड़ी से बरामद की गई थीं और इन्हें सर्वेक्षण का हिस्सा नहीं बनाया जाना चाहिए। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने 11 मार्च को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को भोजशाला परिसर का 'वैज्ञानिक सर्वेक्षण' करने का निर्देश दिया था। भोजशाला एक मध्यकालीन स्मारक है, जिसके बारे में हिंदुओं का मानना है कि यह वाग्देवी (सरस्वती) का मंदिर है, वहीं मुस्लिम समुदाय इसे कमाल मौला मस्जिद कहते हैं। शनिवार को सर्वेक्षण का 93वां दिन था। भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा ने बताया, ''सर्वेक्षण के दौरान उसी स्थान पर पत्थर से बनी वासुकी नाग की मूर्ति मिली है, जहां तीन दिन पहले श्रीकृष्ण की मूर्ति मिली थी।

रूस का यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर हमला जारी

कीव/एपी। रूस ने यूक्रेन के दक्षिण-पूर्व और पश्चिमी हिस्सों में सारी रात मिसाइलों और ड्रोन से हमला करके ऊर्जा प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जिससे कई ऊर्जा संयंत्र क्षतिग्रस्त हो गए जबकि वहां काम कर रहे कम से कम दो श्रमिक भी घायल हुए हैं। यहां शनिवार को अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन की वायुसेना ने बताया कि रूस ने ऊर्जा प्रतिष्ठानों एवं अहम बुनियादी ढांचों पर 16 मिसाइलें एवं 13 'शाहेद' ड्रोन दागे। तीन महीने पहले रूस द्वारा ऊर्जा संयंत्रों पर हमला तेज करने के बाद यूक्रेन के विद्युत संयंत्रों पर यह आठवां बड़ा हमला था। वायुसेना ने बताया कि रूस द्वारा दागी गयी 16 में से 12 मिसाइलों और 13 ड्रोन को यूक्रेन की वायु प्रतिरक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया।

उरी में घुसपैठ के प्रयास को नाकाम किया

श्रीनगर/भाषा। सुरक्षा बलों ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी उन्होंने बताया कि वहां अभी गोलीबारी जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने उरी सेक्टर के गोहल्लां इलाके में नियंत्रण रेखा के पास घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया उन्होंने बताया कि अन्य विवरण का इंतजार है।

सूर्यास्त 23-06-2024	सूर्योदय 24-06-2024
6:48 बजे	5:55 बजे

BSE	NSE
77,209.90	23,501.10
(-269.03)	(-65.90)

सोना	चांदी
7,380 रु.	91,100 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हाजिर हो

जनप्रतिनिधि का दायित्व यही,
कर्तव्यों पर वे रहे स्थित।
बहुमूल्य वोट देकर उनको,
हमने चाहा जन-जन का हित।
संसद है पूजा स्थल उनका,
जब खुले रहे तब हाजिर नित।
वर्ना पूछेगी जनता अब,
क्यों रहे सदन से अनुपस्थित।।

केंद्र ने परीक्षाओं में गड़बड़ी रोकने के लिए कठोर कानून लागू किया

सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम 2024 हुआ लागु

■ इस कानून के तहत पेपर लीक करने या उत्तर पुस्तिका के साथ छेड़छाड़ करने पर कम से कम तीन साल की कैद और 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। पेपर लीक को लेकर मचे बवाल के बीच देश में सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम (केंद्रीय भर्ती और केंद्रीय शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश के लिए परीक्षाओं के लिए पेपर लीक विरोधी कानून) 2024 शुक्रवार रात से प्रभावी हो गया है।

केंद्र सरकार की ओर से देर रात इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गयी। । इस कानून के तहत पेपर लीक करने या उत्तर पुस्तिका के साथ छेड़छाड़ करने पर कम से कम तीन साल की कैद और 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाने का प्रावधान है।

केंद्रीय कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय की ओर से जारी राजपत्र अधिसूचना में कहा गया है, सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 (2024 का 1) की धारा 1 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्र सरकार एतद्द्वारा 21 जून 2024 को उक्त अधिनियम के प्रावधानों के लागू होने की तिथि के रूप में तय करती है।

उल्लेखनीय है कि प्रतियोगी परीक्षाओं में हो रही गड़बड़ियों को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 को पांच फरवरी को लोकसभा में पेश किया था और लोकसभा में यह बिधेयक छह फरवरी को पास हो गया था। इसके बाद इसे राज्यसभा में पेश किया गया, जहां पर इसे 09 फरवरी को पास कर दिया गया था। दोनों सदनों से पास होने के बाद इस विधेयक को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के पास मंजूरी के लिए भेजा गया और उन्होंने 13 फरवरी को इसे मंजूरी प्रदान कर दी थी। अब केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी कर इस कानून को शुक्रवार की आधी रात से देशभर में में लागू कर दिया है।

परीक्षा कानून का लागू किया जाना 'डैमेज कंट्रोल' की कोशिश : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

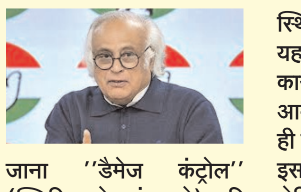

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि नीट-स्नातक, यूजीसी-नेट परीक्षाओं को लेकर विवाद के बीच, केंद्र सरकार द्वारा लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 अधिसूचित किया जाना ''डैमेज कंट्रोल'' (स्थिति को संभालने) की कोशिश है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि इस कानून की जरूरत थी, लेकिन यह पेपर लीक के बाद की स्थिति से निपटता है जबकि यह सुनिश्चित करने के लिए कानून और प्रक्रियाओं की आवश्यकता है कि पेपर लीक ही न हो। रमेश ने यह भी कहा, इस कानून की जरूरत थी, लेकिन यह लीक होने के बाद मामले से निपटता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कानून, प्रणालियां और प्रक्रियाएं अधिक महत्वपूर्ण हैं कि पेपर लीक ही न हो।

केंद्र की मंशा पेट्रोल, डीजल पर जीएसटी लगाने की : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ जीएसटी का इरादा पेट्रोल और डीजल को जीएसटी में लाना था। अब राज्यों को दर तय करनी है। मेरे पूर्ववर्ती (अरुण जेटली) की मंशा बहुत स्पष्ट थी, हम चाहते हैं कि पेट्रोल और डीजल जीएसटी में आएं।

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार की मंशा हमेशा से पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने की रही है और अब राज्यों को एक साथ आकर इसकी दर तय करनी है उन्होंने कहा कि पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने पेट्रोल और डीजल को जीएसटी कानून में शामिल करने का प्रावधान पहले ही कर दिया है। अब बस राज्यों को एक साथ आकर दर तय करने के लिए चर्चा करनी है।

सीतारमण ने कहा, ''जीएसटी का इरादा पेट्रोल और डीजल को जीएसटी में लाना था। अब राज्यों को दर तय करनी है। मेरे पूर्ववर्ती (अरुण जेटली) की मंशा बहुत स्पष्ट थी, हम चाहते हैं कि पेट्रोल और डीजल जीएसटी में आएं।''

जीएसटी को जब एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था, उसमें एक दर्जन से अधिक केंद्रीय और राज्य शुल्कों को शामिल किया गया था। हालांकि, यह फैसला किया गया कि पांच वस्तुओं – कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) पर जीएसटी कानून के तहत बाद में कर लगाया जाएगा।

सीतारमण ने कहा कि जीएसटी लागू करते समय केंद्र सरकार की मंशा थी कि कुछ समय बाद पेट्रोल और डीजल को जीएसटी में लाया जाए उन्होंने कहा, ''इसे जीएसटी में लाने का प्रावधान पहले ही किया जा चुका है।

भारत और बांग्लादेश ने अहम क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और बांग्लादेश ने शनिवार को नये क्षेत्रों में आपसी सहयोग बढ़ाने के लिए भविष्य की योजना पर सहमति जताई और समुद्री क्षेत्र समेत कई अहम क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी बांग्लादेशी समकक्ष शेख हसीना के बीच व्यापक वार्ता के दौरान समझौतों को अंतिम रूप दिया गया।

दोनों पक्षों द्वारा हस्ताक्षरित प्रमुख समझौतों में डिजिटल क्षेत्र में संबंध प्रगाढ़ करने और ''हरित साझेदारी'' पर भी एक समझौता शामिल है। दोनों पक्षों ने रेलवे संपर्क पर भी एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। अन्य समझौते समुद्र विज्ञान, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, आपदा प्रबंधन और मत्स्य पालन के क्षेत्रों में किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने एक बयान में कहा, ''आज हमने नये क्षेत्रों में सहयोग के वास्ते भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण तैयार किया है। हरित साझेदारी, डिजिटल भागीदारी, समुद्री अर्थव्यवस्था (ब्लू इकोनॉमी) और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर बनी सहमति से दोनों देशों के युवाओं को लाभ मिलेगा।''

अपनी टिप्पणी में हसीना ने भारत को बांग्लादेश का प्रमुख पड़ोसी और एक विश्वसनीय मित्र बताया। उन्होंने कहा, ''भारत हमारा प्रमुख पड़ोसी, विश्वसनीय मित्र और क्षेत्रीय साझेदार है। बांग्लादेश, भारत के साथ अपने संबंधों को बहुत महत्व देता है।''

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने कहा, ''मैं 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता में भारत सरकार और भारत के लोगों के योगदान को कृतज्ञता के साथ याद करती हूं।''

तीस्ता नदी के जल के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए बड़ी परियोजना पर सहमत हुए भारत, बांग्लादेश

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के बीच शनिवार को वार्ता हुई। मोदी और हसीना के बीच हुई वार्ता के प्रमुख परिणामों में तीस्ता नदी के संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए एक बड़ी परियोजना के वास्ते भारत द्वारा एक तकनीकी दल को शीघ्र ही बांग्लादेश भेजना, एक व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने की दिशा में आगे बढ़ना और रक्षा संबंधों को बढ़ावा देना शामिल है। दोनों पक्षों ने डिजिटल क्षेत्र, समुद्री क्षेत्र, समुद्री अर्थव्यवस्था, रेलवे, अंतरिक्ष, हरित प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य और चिकित्सा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संबंधों को मजबूत करने के लिए 10 समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

नीट पीजी प्रवेश परीक्षा टली

नई दिल्ली/वार्ता। केंद्र सरकार ने उच्च चिकित्सा शिक्षा की राष्ट्रीय पात्रता -सह -प्रवेश परीक्षा परा स्नातक (नीट - पीजी प्रवेश) परीक्षा टालने की घोषणा की है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड की नीट पीजी परीक्षा टाल दी गई है। परीक्षा की नई तिथियां की घोषणा बाद में की जाएगी। नीट पीजी प्रवेश परीक्षा कल 23 जून को निर्धारित थी। मंत्रालय ने कहा है कि हाल ही की कुछ प्रवेश परीक्षाओं में अनियमितताओं की घटनाओं को देखते हुए इस परीक्षा को टालने का निर्णय लिया गया है। मंत्रालय ने कहा है कि परीक्षा की पूरी प्रक्रिया को जांच परखा रखा जाएगा और नई तिथियां की घोषणा जल्दी की जाएगी। मंत्रालय ने परीक्षा की तिथियां को टालने पर खेद व्यक्त किया है और कहा है कि छात्रों के हितों परीक्षा की शुचिता को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया है।

खालिस्तानी आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करे कनाडा सरकार : गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। कुछ दिन पहले कनाड़ा की संसद में आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर को श्रद्धांजलि दिए जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) वरिष्ठ नेता एवं यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष जय भगवान गोयल के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ता ने शनिवार को यहां तीन मूर्ति चौक से लेकर चाणक्यपुरी थाना तक रैली निकाली।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि कुछ दिन पहले इटली में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में कनाड़ा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मुलाकात के दौरान विश्व शांति और आपसी प्रेम की जोरदार वकालत की थी। इतना ही नहीं पिछले दिनों भारत में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान ट्रूडो ने आतंकवाद के गंभीर मुद्दे पर भारत के साथ पूर्ण सहयोग करने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब कनाड़ा की संसद में निज्जर को श्रद्धांजलि दी गई है और दो मिनट का मौन भी रखा गया है जिसका भाजपा और यूनाईटेड हिन्दू फ्रंट पूरजोर विरोध करता है।

उन्होंने कहा कि आज के विरोध प्रदर्शन के माध्यम से हम ट्रूडो से खालिस्तानी आतंकवादियों से दूरी बनाने की अपील करते हैं। इतना ही नहीं आतंकवादी गुरुपतवंत सिंह पन्नू को भी संरक्षण देने की बजाए उचित कानूनी कार्रवाई करते हुए भारत को जल्द से जल्द सौंपने की अपील करते हैं।

गोयल ने कहा कि कनाडा में हिन्दुओं के मंदिरों पर लगातार आतंकी हमले हो रहे हैं और वहां की सरकार आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय भारत पर ही निज्जर की हत्या की साजिश रचने के झूठे आरोप रही है। उन्होंने कहा कि निखिल गुप्ता पर झूठा आरोप लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि कनाडा की सरकार को गुप्ता को तत्काल रिहा करना चाहिए। आतंकवादियों की हत्या कराने की साजिश के झूठे आरोपों को भारत जैसे शांतिप्रिय देश कभी भी स्वीकार नहीं कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति तो हमेशा से वसुधैव कुटुम्बकम की रही है।

नीट विवादः बिहार पुलिस को एनटीए से संदर्भ प्रश्न पत्र मिले, आरोपियों का हो सकता है 'नार्को टेस्ट'

■ बिहार पुलिस ने इस मामले के सिलसिले में झारखंड के देवघर जिले से छह लोगों को हिरासत में लिया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/देवघर/भाषा। बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) से नीट-यूजी 2024 के संदर्भ प्रश्न पत्र प्राप्त किए हैं, जिनकी पिछले महीने पटना में तलाशी के दौरान एक फ्लैट से बरामद किए गए कागजातों से तुलना की जाएगी। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि वह इस मामले में आरोपियों का ''नार्को टेस्ट'' और ''ब्रेन मैपिंग'' कराने की संभावना भी तलाश रही है।

सूत्रों ने बताया कि ईओयू के अधिकारियों ने शनिवार को दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और अन्य संबंधित शाखाओं के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अपनी जांच से जुड़े मामले के कुछ तथ्यात्मक पहलुओं पर चर्चा की। बिहार पुलिस ने इस मामले के सिलसिले में झारखंड के देवघर जिले से छह लोगों को हिरासत में लिया है।

ईओयू के एक सूत्र ने बताया, हमने पिछले महीने जांच शुरू करने के बाद एनटीए से संदर्भ प्रश्नपत्र मांगे थे। आखिरकार उन्होंने कार्रवाई की। हम इन प्रश्नपत्रों का मिलान पिछले महीने पटना के एक फ्लैट से जब्त किए गए आंशिक रूप से जले हुए प्रश्नपत्रों से करेंगे। यह काम इन दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच से पहले किए जाने की संभावना है।

पुलिस मामले में गिरफ्तार सभी आरोपियों के कॉल रिकॉर्ड का भी विश्लेषण कर रही है और उसके आधार पर और लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा।

सूत्र ने कहा, अधिकारियों समेत कुछ ऐसे व्यक्तियों को भी स्पष्टीकरण के लिए बुलाया जाएगा, जो कुछ राजनेताओं से जुड़े हैं।

लोकसभा के पहले सत्र से पहले 'प्रोटेम स्पीकर' के मुद्दे पर सरकार, विपक्ष आमने-सामने

■ राष्ट्रपति ने सांसद भर्तृहरि महताब को लोकसभा का 'प्रोटेम स्पीकर' नियुक्त किया है।

■ कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि सरकार ने प्रक्रियाओं और परंपराओं का उल्लंघन किया है और आठ बार के सांसद सुरेश के 'प्रोटेम स्पीकर' के पद पर दावे की अनदेखी की है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अठारहवीं लोकसभा के पहले सत्र से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के बीच 'प्रोटेम स्पीकर' (अस्थायी अध्यक्ष) के मुद्दे पर तकरार तेज हो गई है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कांग्रेस पर झूठ का सहारा लेने का आरोप लगाया, वहीं विपक्षी दलों ने अध्यक्षों की सूची में शामिल होने से इंकार करने की चेतावनी दी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और सात बार के सांसद भर्तृहरि महताब को लोकसभा का 'प्रोटेम स्पीक'र नियुक्त किया है, जिन्हें निचले सदन के नव-निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने और अध्यक्ष के चुनाव तक कर्तव्य निवर्हन का काम सौंपा गया है। राष्ट्रपति ने लोकसभा के पांच वरिष्ठ सदस्यों -के सुरेश (कांग्रेस), टी आर बालू (द्रविड मुनेत्र कषगम), राधा मोहन सिंह और फग्गन सिंह कुलस्ते (दोनों भाजपा) और सुदीप बंदोपाध्याय (तृणमूल कांग्रेस) को भी नामित किया था, जो 24 जून से शुरू हो रहे लोकसभा सत्र के पहले तीन दिन में होने वाली प्रक्रिया में महताब की सहायता करेंगे।

कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि सरकार ने प्रक्रियाओं और परंपराओं का उल्लंघन किया है और आठ बार के सांसद सुरेश के 'प्रोटेम स्पीकर' के पद पर दावे की अनदेखी की है, जिसे रीजीजू ने ''भ्रामक'' बताकर खारिज कर दिया। विपक्षी दलों के सूत्रों ने शनिवार को कहा कि सुरेश, बालू और बंदोपाध्याय लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाने में 'प्रोटेम स्पीकर' महताब की सहायता करने के लिए अध्यक्षों की सूची में शामिल नहीं हो सकते हैं।

असम में बाढ़ से 3.9 लाख से अधिक लोग अब भी प्रभावित

गुवाहाटी/भाषा। असम में 3.90 लाख से अधिक लोगों का बाढ़ की विभीषिका से जूझना जारी है और राज्य के समग्र हालात अब भी गंभीर हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी उन्होंने बताया कि हालांकि राज्य के कुछ हिस्सों में बारिश कम होने से बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार हुआ है, लेकिन 19 जिले अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष बाढ़, भूस्खलन और आंधी से मरने वालों की संख्या 37 पर पहुंच गई है, जबकि एक व्यक्ति लापता है। शुक्रवार शाम तक कुल 3,90,491 लोग प्रभावित थे। बाढ़ प्रभावितों की संख्या बृहस्पतिवार को 4.09 लाख तक पहुंच गई थी।

तटीय कर्नाटक में भारी बारिश एवं तेज हवाओं का 'रेड अलर्ट'

मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के तटीय और दक्षिणी जिलों में अनेक स्थानों पर अगले पांच दिनों के दौरान तेज हवाओं के साथ भारी बारिश का अनुमान है जिसके मद्देनजर मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गयी है और 'रेड एलर्ट' जारी किया गया है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने शनिवार को यह चेतावनी जारी की। मौसम विभाग ने बताया है कि राज्य के तटवर्ती दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में भारी बारिश होने की आशंका है। इस बीच, स्थानीय प्रशासन ने बताया है कि इन जिलों में अनेक स्थानों पर सड़कों पर पानी भरने से आवागमन बाधित हुआ है।

इसके अलावा दक्षिणी कर्नाटक के कोडागु, शिवमोग्गा, चिकमंगलूर और हसन जिलों में भी लगभग एक सप्ताह से भारी बारिश हो रही है। कई नदियां खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। कोडागु जिले में भूस्खलन के कारण कई सड़कें बंद हैं।

सहज स्मृति योग

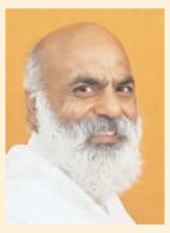

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, क्या भारत बिना सामरिक रूप से वैश्विक स्तर पर सर्वश्रेष्ठ हुए, केवल आर्थिक महाशक्ति बनकर भी विश्व-गुरु के स्थान पर प्रतिष्ठित हो सकता है ?

उत्तर: इतिहास बताता है कि किसी भी देश के महाशक्ति होने के लिए उसकी आर्थिक और सामरिक दोनों व्यवस्थाओं का मज़बूत होना ज़रूरी है। हालाँकि, अपनी मज़बूत वाणिज्य-व्यापार व्यवस्था व नीति के आधार पर भी कुछ देश शक्ति सम्पन्न हुए हैं और व्यवस्थाएँ चाहे किसी भी क्षेत्र की हों, उनका श्रेष्ठ होना तो उस देश की शिक्षा या ज्ञान के श्रेष्ठ और शोधपरक होने पर ही आश्रित होता है। सत्य शिक्षा से ही दृढ़ चरित्र का निर्माण होता है और गुरुत्व के स्थायित्व के लिए चरित्र आवश्यक है। यदि विश्वगुरु होने से आपका आशय यह है कि किसी देश का व्यवहार और चरित्र ऐसा है कि अन्य देशों का उस पर भरोसा बढ़े और उन्हें लगे कि बिना पर्यावरण को क्षति पहुँचाए और विकास की गति को बाधित किए बिना, संपूर्ण मानवता को साथ लेकर चलने की स्पष्ट दृष्टि और दिशा वह देश न्याय पूर्वक अपने व्यवहार उत्तरदायित्व पूर्वक निभा रहा है तो वर्तमान समय में भारत ऐसा देश है। और सुदूर पूर्व में भी हम ऐसे ही देश रहे हैं। इस अर्थ में भारत विश्वगुरु या विश्वबंधु है ही, इसमें किसी को संदेह नहीं होना चाहिए। हरेक भारतवासी को अपने इसी कथानक को मजबूती के साथ बयान भी करना चाहिए, तब ही वह प्रतिष्ठा स्थाई होगी जिसकी ओर आपका संकेत है।

आदर्श कॉलेज में रोजगार मेला 1 जुलाई को

बेंगलूरु। शहर के चामराजपेट स्थित सीतादेवी रतनचन्द नाहर आदर्श कॉलेज में प्लेसमेंट एवं कैरियर गाइडेंस सेल द्वारा मेगा जॉब फेयर 2024 का आयोजन एक जुलाई को सुबह 9.30 बजे से आदर्श कॉलेज के प्रांगण में किया जा रहा है। यह रोजगार मेला हेड हेल्ड हाई के सहयोग से किया जा रहा है। इस मेले में भाग लेने के लिए कोई पंजीकरण आवश्यक नहीं है।

वारंटी के बारे में ग्राहकों को स्पष्ट रूप से बताएं: सीसीपीए ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण निर्माताओं से कहा

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) की मुख्य आयुक्त निधि खरे ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण निर्माताओं से कहा है कि वे वारंटी अवधि की शुरूआत की तारीख के बारे में ग्राहकों को स्पष्ट रूप से बताएं और उनकी शिकायतों का तुरंत समाधान भी करें।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक सीसीपीए ने इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियों के साथ एक बैठक की। इसमें खरीद की तारीख के बजाय, उपकरण का इस्तेमाल शुरू करने की तारीख से वारंटी अवधि शुरू करने के मुद्दे पर चर्चा की गई। सीसीपीए ने कहा, ''चूंकि निर्माताओं की नीतियों के अनुसार वारंटी अवधि खरीद की तारीख से शुरू होती है, न कि इस्तेमाल शुरू करने की तारीख से, इसलिए वारंटी अवधि कम हो जाती है।'' बैठक की अध्यक्षता सीसीपीए की मुख्य आयुक्त निधि खरे ने की। इसमें रिलायंस रिटेल, एलजी, पैनासोनिक, हायर, क्रोमा और बॉश सहित प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक उपकरण कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। खरे ने कहा कि उपभोक्ताओं को वारंटी शुरू होने के बारे में स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए कि उपभोक्ता को उत्पाद खरीदने के बाद वारंटी के बारे में पता चले उन्होंने साथ ही कहा कि कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं का पालन किया जाए।

शाह ने आव्रजन प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए विशेष कार्यक्रम की शुरूआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को एक विशेष कार्यक्रम की शुरूआत की, जिसके तहत भारतीय नागरिकों और 'ओसीआई' कार्ड धारकों की आव्रजन प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने कहा कि 'फास्ट ट्रैक इमिग्रेशन-ट्रस्टेड ट्रेवलर प्रोगाम' (एफटीआई-टीटीपी) सरकार की एक दूरदर्शी पहल है जिसे भारतीय नागरिकों और ओसीआई (ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया) कार्ड धारकों के लिए तैयार किया गया है।

पात्र व्यक्तियों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा और आवेदन पत्र में निर्दिष्ट अन्य आवश्यक जानकारी के साथ-साथ अपना बायोमेट्रिक्स (उंगलियों के निशान आदि) देना होगा उन्होंने कहा कि एफटीआई पंजीकरण अधिकतम पांच वर्ष या पासपोर्ट की वैधता की अवधि तक, जो भी पहले हो, वैध होगा। अधिकारी ने बताया कि आवेदन प्रक्रिया पूरी करने के लिए 'बायोमेट्रिक्स' अनिवार्य है। अन्य अधिकारी ने बताया कि आवेदन को अस्वीकार होने से बचाने के लिए आवेदक को अपना वर्तमान आवासीय पता बताना होगा उन्होंने कहा कि एफटीआई-टीटीपी का उद्देश्य लोगों की यात्रा को सुगम करना तथा उसे अधिक तीव्र, आसान और सुरक्षित बनाना है।

आमंत्रण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, महावीर मेहता व सचिव रविन्द्र बम्बोली ने दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु मंडल रेल प्रबंधक परीक्षित मोहनपुरिया से मुलाकात कर उन्हें 16 जुलाई से शुरु होने वाले ट्रेड फेयर में आने के लिए आमंत्रित किया।

जम्मू-कश्मीर: दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में आईटीबीपी के तीन जवान समेत 26 लोग घायल

बनिहाल/जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के जम्मू और रामबन जिलों में शनिवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के तीन जवानों सहित कम से कम 26 लोग घायल हो गए।

अधिकारियों ने बताया कि एक निजी ट्रक आईटीबीपी कर्मियों को लेकर कश्मीर जा रहा था। यह ट्रक जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन जिले के खारपोरा गांव में सड़क से फिसलकर खाई में गिर गया। हादसे में तीन जवान और एक असैन्य चालक घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घायलों को इलाज के लिए बनिहाल अस्पताल ले जाया गया है।

केंद्र ने राज्यों का समर्थन करते हुए समय पर कर हस्तांतरण, जीएसटी मुआवजा बकाया दिया: सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने राज्यों को प्रोत्साहित करने के लिए समय पर कर हस्तांतरण और जीएसटी मुआवजा बकाया चुकाया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यह बात कही।

राज्यों के वित्त मंत्रियों के साथ बजट पूर्व बैठक में सीतारमण ने उनसे उस योजना का लाभ उठाने के लिए भी कहा, जिसके तहत केंद्र राज्यों को तयशुदा सुधार करने के लिए 50 साल का ब्याज मुक्त ऋण देता है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि केंद्रीय वित्त मंत्री ने वृद्धि को प्रोत्साहन देने के लिए समय पर कर हस्तांतरण, वित्त आयोग अनुदान और जीएसटी मुआवजे के बकाया के जरिए राज्यों को केंद्र सरकार के समर्थन को रेखांकित किया। सीतारमण ने पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना का उल्लेख भी किया। ज्यादातर राज्यों ने केंद्र की 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना' की सराहना की और आगे सुधार के लिए कुछ सुझाव दिए। बयान में कहा गया कि प्रतिभागियों ने केंद्रीय वित्त मंत्री को वित्त वर्ष 2024-25 के आम बजट के लिए कई सुझाव भी दिए। राजस्थान की वित्त मंत्री और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी), जल जीवन मिशन (जेजेएम), कुछ राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं और रेलवे लाइनों के लिए आवंटन में बढ़ोतरी की मांग की। कर्नाटक के वित्त मंत्री कृष्ण बायरे गौड़ा ने ऊपरी भद्रा जल परियोजना के लिए पहले से घोषित सहायता में से 5,300 करोड़ रुपये जारी करने और इसे राष्ट्रीय परियोजना घोषित करने की मांग की उन्होंने उपकर और अधिभार को विभाज्य पूल में शामिल करने की भी मांग की ताकि राज्यों को केंद्रीय करों में उनका उचित हिस्सा मिल सके।

भाजपा ने बिलासपुर में निकाली विशाल रैली, सुक्खू सरकार पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिलासपुर (हिप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई ने एक स्थानीय अदालत के बाहर उसके एक कार्यकर्ता को गोली मारे जाने की घटना के विरोध में शनिवार को यहां एक विशाल रैली निकाली।

एक पूर्व विधायक पर हमले में कथित रूप से शामिल एक व्यक्ति को बृहस्पतिवार को बिलासपुर स्थित एक अदालत परिसर में गोली मार दी गई। मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों ने सौरभ पटियाल पर गोलियां चलाई थीं। पटियाल उन 13 लोगों में शामिल है, जो कांग्रेस नेता बम्बर ठाकुर पर कथित हमले को लेकर मुकदमे का सामना कर रहे हैं। बिलासपुर के पूर्व विधायक पर इस वर्ष 23 फरवरी को कथित तौर पर हमला हुआ था।

रैली को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने कांग्रेस सरकार पर माफिया, हत्यारों और मादक पदार्थ तस्करों को कथित तौर पर शरण देने का आरोप लगाया। बिंदल ने कहा कि राज्य के सभी जिलों में कानून-व्यवस्था हाथ से निकल गई है और सिरमौर, सोलन, कांगड़ा और नालागढ़ में अब तक 300 से अधिक हत्या और 2000 से अधिक नशीले पदार्थ के मामले सामने आए हैं। भाजपा नेता ने कहा कि स्थानीय अदालत में गोलियां चलाई जा रही हैं और जनता असुरक्षित महसूस कर रही है, लेकिन मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली सरकार ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया है और ऐसी परिस्थितियों में इस सरकार को सत्ता में रहने का कोई अधिकार नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि देवभूमि हिमाचल के लोगों ने कभी सोचा भी नहीं था कि ऐसा कुछ होगा उन्होंने कहा, हमने दिल्ली और उत्तर प्रदेश में ऐसी घटनाएं सुनी हैं, लेकिन अब हिमाचल प्रदेश में भी ऐसी घटनाएं देखने को मिल रही हैं, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

आंध्र प्रदेश की जनता ने राजग को राज्य को सही दिशा में ले जाने की जिम्मेदारी सौंपी: नायडू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को कहा कि राज्य की जनता ने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को राज्य को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दी है। उन्होंने उन प्रमुख क्षेत्रों पर प्रकाश डाला जिन पर राज्य सरकार अगले पांच वर्षों में ध्यान केंद्रित करेगी।

नायडू ने 16वीं विधानसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''राजधानी शहर की स्थापना, पोलावरम परियोजना को पूरा करना, नदियों को आपस में जोड़ना, निवेश आकर्षित करना कुछ ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सरकार को अगले पांच सालों में अधिक ध्यान देने की जरूरत है।'' पिछली वाईएसआरसीपी सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि उसने सदन को अशिष्ट सभा में बदल दिया था उन्होंने दावा किया, पिछले पांच वर्षों में पवित्र विधानसभा को गंदी राजनीति, व्यक्तिगत हमलों, चरित्र हनन का मंच बना दिया गया... वहां गालियां दी गईं, मजाक उड़ाया गया, बोलने के लिए माइक (माइक्रोफोन) न देकर लोगों का मुंह बंद कर दिया गया... कई समस्याएं थीं उन्होंने वाईएसआरसीपी विधायकों द्वारा उनके परिवार के खिलाफ की गईं कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों को याद किया और बताया कि कैसे उन्होंने मुख्यमंत्री के रूप में ही सदन में लौटने का संकल्प लिया था।

नायडू ने उनका सम्मान बचाने के लिए जनता का आभार जताया और सदन को सम्मानजनक तरीके से चलाने का वादा किया।

भारत के सार्वजनिक उपक्रम विकास और वृद्धि के इंजन हैं: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि देश के सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) वैश्विक मानदंडों पर खरे उतरे हैं उन्होंने यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, भारत आज अधिकांश वैश्विक मानदंडों पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है। कुछ क्षेत्रों में यह अन्य बड़े देशों के बराबर है, जबकि अन्य क्षेत्रों में यह उनसे काफी आगे है। कार्मिक राज्य मंत्री सिंह ने भारतीय अर्थव्यवस्था में निरंतर योगदान देने तथा वृद्धि एवं विकास का इंजन बनने के लिए पीएसयू की प्रशंसा की उन्होंने कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था का उत्थान पीएसयू के योगदान के कारण संभव हुआ है। ये वैश्विक मानदंडों और मानकों पर खरे उतरे हैं। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में सिंह के हवाले से कहा गया, उनके (पीएसयू) अद्वितीय प्रयासों के कारण ही भारत वैश्विक नवाचार सूचकांक में ऊपर आया है। आज, यह दुनिया भर में 40वें स्थान पर है, जो कई समान आकार की अर्थव्यवस्थाओं से आगे है, जबकि 2014 में यह 81वें स्थान पर था।

गडकरी ने उद्योगों से कार्यबल बढ़ाने के लिए कौशल विकास संस्थान स्थापित करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को उद्योगों से कौशल विकास संस्थान शुरू करने का आग्रह किया, ताकि कुशल कार्यबल तैयार किया जा सके।

नागपुर में 'सीआईआई-इंडस्ट्री एकेडमिया कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए गडकरी ने कुशल जनशक्ति विकसित करने के लिए उद्योग और शिक्षा जगत के बीच सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया उन्होंने कहा, छात्रों के कौशल विकास और जनशक्ति बढ़ाने के लिए उद्योग और शिक्षा जगत के बीच समन्वय आवश्यक है।

गडकरी ने सुझाव दिया कि उद्योगों को धीरे-धीरे अपने कौशल विकास केंद्र के साथ ही इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेज स्थापित करने चाहिए, ताकि छात्रों को ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव दोनों प्रदान किए जा सकें और वे अधिक कुशल बन सकें उन्होंने उद्योगों में कुशल जनशक्ति की कमी की बात स्वीकार की, जबकि शिक्षित व्यक्ति बेरोजगार बने हुए हैं। उन्होंने इसका कारण शैक्षणिक संस्थानों और उद्योग के बीच समन्वय और संचार की कमी को बताया। गडकरी ने कहा, मेरा मानना है कि धीरे-धीरे उद्योगों को अपने कौशल विकास केंद्र, इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक कॉलेज खोलने चाहिए, जिससे छात्रों को ज्ञान के साथ-साथ व्यावहारिक अनुभव भी मिलेगा और वे अधिक कुशल बनेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि प्रत्येक उद्योग को अपनी जरूरतों के अनुसार जनशक्ति को प्रशिक्षित करना चाहिए। उन्होंने उद्योग से कौशल विकास के लिए मानद और निजी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करने की अपील की।

जीएसटी परिषद ने विभिन्न कानूनी मंचों के समक्ष अपील दायर करने के लिए मौद्रिक सीमा तय की

नई दिल्ली/भाषा। सरकारी मुकदमों को कम करने के लिए जीएसटी परिषद ने विभिन्न अपीलीय प्राधिकरणों के समक्ष कर विभाग द्वारा अपील दायर करने के लिए एक मौद्रिक सीमा तय की है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को यह जानकारी दी उन्होंने यहां आयोजित जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक के बाद कहा कि जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण के लिए 20 लाख रुपये, उच्च न्यायालय के लिए एक करोड़ रुपये और सर्वोच्च न्यायालय के लिए दो करोड़ रुपये की मौद्रिक सीमा तय करने की सिफारिश की है। यदि मौद्रिक सीमा, जीएसटी परिषद द्वारा तय सीमा से कम है, तो कर प्राधिकरण आमतौर पर अपील नहीं करेगा उन्होंने कहा कि परिषद ने यह भी सिफारिश की है कि अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करने के लिए पूर्व जमा की अधिकतम राशि सीजीएसटी और एसजीएसटी के लिए 25 करोड़ रुपये से घटाकर 20 करोड़ रुपये की जाए। वित्त मंत्री ने यह भी बताया कि भारतीय रेलवे की प्लेटफॉर्म टिकट, विश्राम कक्ष और प्रतीक्षालय जैसी सुविधाएं जीएसटी से मुक्त हैं।

शिवराज सिंह चौहान के बेटे के बयान पर कांग्रेस ने चुटकी ली

भोपाल/भाषा। केंद्रीय कृषि मंत्री और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के बेटे ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद ''पूरी दिल्ली उनके पिता के सामने नतमस्तक है।''

चौहान के बेटे कार्तिकेय सिंह ने शुक्रवार को सीहोर जिले के बुधनी विधानसभा क्षेत्र के भेरुंडा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह बयान दिया। अलग-अलग दलों के नेता कार्तिकेय के बयान का वीडियो साझा कर रहे हैं। चौहान ने लोकसभा चुनाव में राज्य के विदिशा निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की है। कार्तिकेय के बयान पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने तंज कसते हुए कहा कि इसका मतलब है कि दिल्ली डरी हुई है और पार्टी के अंदर असंतोष का डर है। संबोधन में कार्तिकेय ने कहा बुधनी विधानसभा क्षेत्र के लोगों ने संदेश देकर शानदार काम किया है उन्होंने कहा, मैं दिल्ली में रहने के बाद हाल में ही लौटा हूं।

आरक्षण मुद्दा : महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे ने जातिगत तनाव नहीं फैलने देने का संकल्प जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि समाज में जातिगत तनाव नहीं फैले। यह बात उन्होंने मराठाओं और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) द्वारा आरक्षण पर अपने रुख को मजबूत करने की पृष्ठभूमि में कही। शिंदे ने ओबीसी कार्यकर्ता लक्ष्मण हाके और अन्य को सरकारी हस्तक्षेप के बाद अनिश्चितकालीन अनशन वापस लेने के लिए धन्यवाद दिया। शिंदे ने नासिक में संवाददाताओं से कहा, ''हम यह सुनिश्चित करेंगे कि समाज में कोई जातिगत तनाव नहीं फैले।''

ओबीसी कोटा कम न किए जाने की मांग को लेकर कार्यकर्ता हाके और नवनाथ वाघमारे 13 जून से अनशन पर थे। शनिवार को सरकारी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात के बाद उन्होंने अपनी भूख हड़ताल समाप्त कर दी। मुंबई में शुक्रवार को ओबीसी नेताओं की बैठक की अध्यक्षता करने वाले शिंदे ने कहा कि 27 जून से शुरू हो रहे मानसून सत्र के पहले सप्ताह में एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जाएगी उन्होंने कहा, ''कल इस मुद्दे पर अच्छी चर्चा हुई थी।'' आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने मांग की है कि सभी मराठाओं को ओबीसी श्रेणी के तहत आरक्षण मिले जबकि ओबीसी नेता इस मांग का विरोध कर रहे हैं। इस बीच, कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने शनिवार को आरोप लगाया कि भाजपा आरक्षण के मुद्दे पर मराठा समुदाय और अन्य पिछड़ा वर्ग को धोखा दे रही है। पुणे में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पटोले ने दावा किया कि आरक्षण के मुद्दे पर उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले का रुख अलग-अलग है।

'इंडिया' बेहतर प्रदर्शन कर सकता था, लेकिन सीट बंटवारे पर बातचीत में अधिक समय लगा दिया : भट्टाचार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

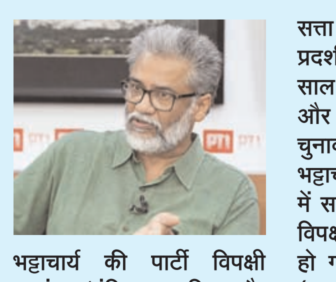

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) लिबरेशन के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा है कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन बेहतर प्रदर्शन कर सकता था, लेकिन सीट बंटवारे के समझौते तक पहुंचने में शायद अधिक समय लगा दिया गया।

'पीटीआई' मुख्यालय में एजेंसी के शीर्ष संपादकों के साथ एक साक्षात्कार में, भाकपा (माले) लिबरेशन के नेता ने यह भी कहा कि किसान आंदोलन, युवा और नागरिक समाज के आंदोलन जैसे जन आंदोलनों के साथ-साथ ''डिजिटल योद्धाओं'' ने चुनाव में विपक्षी खेमे के प्रयासों को बल दिया। भट्टाचार्य की पार्टी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि 30-40 सीट पर जीत का अंतर बहुत कम था। उन्होंने कहा, ''मैं इस बात को पूरी तरह से खारिज नहीं कर सकता कि इसमें (मतदान परिणामों में) कुछ भी अनुचित नहीं रहा, लेकिन इतना कहने के बावजूद मुझे लगता है कि कुछ ऐसे राज्य थे जहां हम बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे।''

उन्होंने कहा, ''उदाहरण के लिए बिहार...यदि हम उत्तर प्रदेश के बराबर प्रदर्शन कर पाते तो चीजें अलग होतीं। शायद, कर्नाटक में भी, जहां कांग्रेस सत्ता में है। वे शायद थोड़ा बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे।'' पिछले साल हुए मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि उन चुनावों में साथ मिलकर नहीं लड़ने से विपक्षी गठबंधन की गति धीमी हो गई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने इन तीनों राज्यों में चुनाव जीता। उन्होंने कहा इन तीनों विधानसभा चुनावों में 'इंडिया' गठबंधन की कोई तस्वीर नहीं थी और नतीजे हमारे पक्ष में नहीं आए। भट्टाचार्य ने कहा, ''हमने वहां बहुत गति खो दी। इस साल की शुरुआत में ही हमने कुछ गति पकड़नी शुरू की। इसलिए गति का खो जाना फिर से एक और महत्वपूर्ण बात है। आप इसकी भरपाई नहीं कर सकते।'' उन्होंने यह भी कहा कि गठबंधन ने सीट-बंटवारे की बातचीत में बहुत अधिक समय लगा लिया।

बेंगलूरु में शनिवार को सम्मान समारोह में कर्नाटक के चार केन्द्रीय मंत्रियों का सम्मान किया गया।

बेंगलूरु में शनिवार को सम्मान समारोह में कर्नाटक के चुने गए सांसदों का सम्मान किया गया।

दक्षिण में कर्नाटक भाजपा का गढ़ है : विजयेन्द्र येडीयुरप्पा

एनडीए के19 सांसदों का हुआ सम्मान, कार्यकर्ताओं को दिया धन्यवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। दक्षिण भारत में कर्नाटक बीजेपी का गढ़ है, ये लोकसभा चुनाव में एक बार फिर साबित हो गया। बीजेपी-जेडीएस के एक साथ आने से राज्य की जनता का आशीर्वाद मिला है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि राज्य में एनडीए के 19 सांसदों के चुनाव के लिए जिम्मेदार सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। वह बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में राज्य के 19 एनडीए सांसदों के सम्मान और राज्य के केंद्रीय मंत्री के अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। कांग्रेस पार्टी की काफी बदनामी और आलोचना के बीच राज्य की जनता ने बीजेपी-जेडीएस गठबंधन को आशीर्वाद दिया है। उन्होंने प्रदेश से चुने गए नए सांसदों को बधाई दी।

विजयेन्द्र ने कहा कि पहले एक सीट जीतने वाली कांग्रेस पार्टी अब 9 सीटें जीत चुकी है, लेकिन, दूसरी ओर राज्य में बीजेपी और जेडीएस पार्टियां 145 से ज्यादा विधानसभा क्षेत्रों में बढ़त बनाई रखी है। उन्होंने बताया कि जिस विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस का मंत्री है, वहां भी हमारे प्रत्याशियों को बढ़त मिली है।उन्होंने कहा कि हमें अगले 4 वर्षों तक राज्य में कांग्रेस पार्टी के कुशासन के खिलाफ लड़ना है। पहले जब बीजेपी सत्ता में थी तो कर्नाटक हर क्षेत्र में अग्रणी था। हालांकि, विजयेंद्र ने कहा कि कांग्रेस के पिछले एक साल के कुशासन में राज्य सभी क्षेत्रों में पिछड़ रहा है। उन्होंने आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार, मुख्यमंत्री नाकामी छुपाने के लिए हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राज्य में विकास पूरी तरह से ठप हो गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायक नाद गौड़ा ने विकास नहीं होने के कारण संन्यास लेने की बात कही है।

केन्द्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येडीयुरप्पा ने लोगों से अपील की कि वे लोगों को समझाएं कि कांग्रेस का मतलब झूठी गारंटी,

भ्रष्टाचार, कुप्रबंधन और अविकसितता है। बीबीएमपी, जिला पंचायत, तालुक पंचायत और ग्राम पंचायत चुनाव जल्द ही होंगे। उन्होंने कहा कि हमें जेडीएस पार्टी के साथ मिलकर इन्हें जीतकर अपनी ताकत दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से इतनी बड़ी संख्या में सांसद चुने गये हैं। प्रदेश चुनाव सह प्रभारी सुधाकर रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस गलत नीतियों वाली जनविरोधी सरकार है। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने डीजल और पेट्रोल समेत सभी वस्तुओं की कीमत बढ़ा दी है। वाल्मिकी (एसटी) निगम घोटाले के संबंध में केवल एक मंत्री का इस्तीफा देना पर्याप्त नहीं है। सिद्दरामैया और डीके शिवकुमार के भी इस्तीफे की मांग की है।

विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि कर्नाटक में बीजेपी-जेडीएस गठबंधन के कारण अभूतपूर्व जीत हासिल हुई है. कांग्रेस पार्टी कह रही थी कि वह 20 सीटें जीतेगी। उन्होंने कहा, ''हालांकि, लोगों ने कांग्रेस पार्टी को कूड़ेदान में फेंक दिया है और उन्हें विजयश्री दिलवाई है।'' उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ाने वाली कांग्रेस के लिए अब बुरा समय आ गया है।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि विधानसभा चुनाव के महज एक साल के भीतर ही जनता ने कांग्रेस पार्टी, सिद्दरामैया और डीके शिवकुमार के अहंकार को करारा तमाचा मारा है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं को उनकी कड़ी मेहनत के लिए धन्यवाद और बधाई दी। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि तमाम प्रभाव, धन के प्रवाह और तमाम प्रलोभनों के बीच राज्य की जनता ने हम पर जीत हासिल की है। उन्होंने आरोप लगाया कि न सिर्फ घरेलू बल्कि विदेशी ताकतों ने भी मोदी के नेतृत्व में सरकार बनने से रोकने का काम किया है। उन्होंने उत्साह से काम करने वाले कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का एक विकेट गिर चुका है। उन्होंने मांग की कि वाल्मिकी निगम घोटाले को लेकर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री वी. सोमन्ना ने कहा कि इस जीत में सिर्फ बीजेपी का ही नहीं बल्कि जेडीएस नेताओं और कार्यकर्ताओं का भी योगदान है। उन्होंने कहा कि हमेशा धोखा देने वाली कांग्रेस के आचरण को लोग करीब से देख रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने बात की और दोनों दलों के कार्यकर्ताओं को उनके प्रयासों और देश के लोगों के आशीर्वाद के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने विश्लेषण किया कि जिस कारण से मैं (कुमारस्वामी) लोगों के बीच जाना गया, उसका कारण येडीयुरप्पा थे, जिन्होंने 2006 में मुझे मुख्यमंत्री का पद दिया था। उन्होंने जेडीएस-बीजेपी गठबंधन को बिल्कुल स्वाभाविक बताते हुए कहा कि राज्य की जनता ने बीजेपी-जेडीएस गठबंधन को खुले मन से स्वीकार किया है और आशीर्वाद दिया है। उन्होंने बताया कि दुनिया में मोदी के प्रति सम्मान और विश्वास की भावना है। उन्होंने ऐसा व्यवहार करने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की जैसे कि गारंटी ही मूल्य वृद्धि का स्रोत थी।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा, बसवराज बोम्मई, जगदीश शेट्टार, राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री गोविंदा करजोला, कोर कमेटी के सदस्य, नए सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, पूर्व सांसद, पूर्व विधायक, पूर्व विधान परिषद सदस्य, राज्य पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, जेडीएस नेता, दोनों पार्टियों के कार्यकर्ता मौजूद थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ पार्टी के संस्थापक भारत माता पर पुष्प अर्पित कर एवं पौधों को जल देकर किया गया। राज्य के प्रधान सचिव नंदीश रेड्डी ने स्वागत किया। कार्यक्रम को राज्य के प्रधान सचिव पी. राजीव ने सुनाया। इस दौरान वरिष्ठ नेता भानुप्रकाश के निधन पर शोक व्यक्त किया गया।

जद(एस) के विधान पार्षद सूरज रेवन्ना से जबरन वसूली के आरोप में दो लोगों पर मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

होलेनरसीपुरा। जनता दल (सेक्युलर) के एक कार्यकर्ता और उसके रिश्तेदार पर पार्टी के विधान पार्षद सूरज रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न का झूठा मामला दर्ज करने की धमकी देकर कथित तौर पर रुपये ऐंठने की कोशिश करने को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी। सूरज रेवन्ना के करीबी सहयोगी शिवकुमार ने शुक्रवार को इस संबंध में पुलिस में शिकायत दी, जिसके आधार पर चेतन के.एस. और उसके रिश्तेदार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई।

चेतन ने भी शुक्रवार को पुलिस को शिकायत दी, जिसमें उसने सूरज रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। सूरज रेवन्ना होलेनरसीपुरा के विधायक एच.डी. रेवन्ना के बेटे और हासन से पूर्व सांसद प्रज्ज्वल रेवन्ना के बड़े भाई हैं। प्रज्ज्वल रेवन्ना कई महिलाओं का कथित यौन उत्पीड़न करने के आरोप में पुलिस हिरासत में है। अपनी शिकायत में शिवकुमार ने आरोप लगाया कि चेतन ने पहले उनसे दोस्ती की और 'सूरज रेवन्ना ब्रिगेड' के लिए काम करने लगा। हाल में, चेतन ने पारिवारिक खर्चों के लिए रुपये मांगे तो शिवकुमार ने इनकार कर दिया, जिसके बाद आरोपी ने सूरज रेवन्ना पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दायर करने की धमकी दी।

शिवकुमार ने दावा किया कि चेतन ने पांच करोड़ रुपये मांगे जिसे बाद में घटाकर दो करोड़ रुपये कर दिया। शिकायत के आधार पर, पुलिस ने चेतन और उसके रिश्तेदार के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 384 (जबरन वसूली), 506 (आपराधिक धमकी) और 34 (साजिश में अन्य लोगों की संलिप्तता) के तहत मामला दर्ज किया है।

प्रज्ज्वल रेवन्ना के भाई के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई तो होगी कार्रवाई : गृहमंत्री परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने शनिवार को कहा कि यदि जनता दल (एस) के विधान पार्षद सूरज रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न मामले में शिकायत मिली तो पुलिस कानूनी कार्रवाई करेगी। सूरज रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के पोते और सेक्स वीडियो कांड के मुख्य आरोपी प्रज्ज्वल रेवन्ना के भाई हैं।

परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पुलिस को अब तक सूरज रेवन्ना के खिलाफ कोई शिकायत नहीं मिली है। उन्होंने कहा, मुझे मीडिया के जरिये इसके बारे में जानकारी मिली। जब उनसे डीजीपी को भेजी गई याचिका में शिकायत के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्पष्ट किया कि अब तक कोई आधिकारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

केंद्र सरकार में खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि घटना की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा, चाहे कोई भी व्यक्ति हो, यदि उसने गलती की है तो उसे सजा मिलनी चाहिए। चाहे वह प्रज्ज्वल रेवन्ना हो या सूरज रेवन्ना, यदि उसने गलती की है तो उसे सजा मिलेगी। सूरज रेवन्ना के चाचा और केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने इस बारे में पूछे जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए मामले में कुछ भी बोलने से इनकार कर दिया।

उन्होंने बेंगलूरु हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा, आप राज्य से जुड़े मुद्दों पर बात कीजिए। मुझे इस मामले में प्रतिक्रिया देने की जरूरत नहीं है, कानून अपना काम करेगा। आने वाले समय में पता चल जाएगा कि इन शिकायतों को दर्ज कराने के पीछे असली मकसद क्या है।

जद(एस) के वरिष्ठ नेता बनदेप्पा काशेमपुर ने कहा कि यह मायने नहीं रखता कि गलती करने वाला कौन है, कानून उन्हें सजा देगा। उन्होंने कहा कि पार्टी ने प्रज्ज्वल रेवन्ना के खिलाफ कार्रवाई की है। प्रज्ज्वल रेवन्ना के वीडियो लोकसभा चुनाव से पहले सामने आये थे। अब वे सूरज रेवन्ना पर आरोप लगा रहे हैं।

राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने कहा कि देश में एक कानून है और मामले में कानून के अनुरूप कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा, मैं मीडिया रिपोर्टों के आधार पर मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं दे सकता।

वन अधिकारी की हत्या के मामले में पांच गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यादगीर। यादगीर जिले में पिछले दिनों शराब के नशे में धुत लोगों ने एक वन अधिकारी की हत्या कर दी थी। अब इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने शाहपुर कस्बे के मोतागी बार और रेस्तरां में 5 जून को हुई घटना के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। मृतक की पहचान शाहपुर के वन अधिकारी महेश कनकट्टी के रूप में हुई।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजू, रेखू नाइक, तारा सिंह, नरसिंह और प्रकाश के रूप में हुई है। रेस्तरां में शराबी चिल्ला रहे थे और हंगामा कर रहे थे। उन्हें शोर कम करने को कहने के लिए महेश कनकट्टी रेस्तरां में गए थे। महेश कनकट्टी ने जब शराब के नशे में धुत लोगों से आवाज कम करने को कहा तो उनमें बहस शुरू हो गई। उन्होंने उन पर लकड़ी डंडे से हमला कर दिया और लात-घूंसों से पीटा।

महेश के बेहोश होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। बाद में उनकी मौत हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद आरोपियों की पहचान की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

प्रख्यात कन्नड़ साहित्यकार कमला हम्पन्ना का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रख्यात कन्नड़ साहित्यकार 'नदोजा' कमला हम्पाना का शनिवार को बेंगलूरु में राजाजी नगर स्थित उनके आवास में निधन हो गया। हम्पाना 88 वर्ष की थीं। परिवार के सदस्यों ने यह जानकारी दी। उनके परिवार में पति और तीन बच्चे हैं। कमला हम्पाना का जन्म 28 अक्टूबर 1935 को बेंगलूरु के पास देवनहल्ली में हुआ था। उन्होंने कई किताबें लिखी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत शिक्षिका के तौर पर की थी लेकिन धीरे-धीरे वह साहित्य जगत का जाना पहचाना नाम बन गईं।

हम्पाना को कर्नाटक साहित्य अकादमी पुरस्कार, दाना चिंतामणि अतीमब्बे पुरस्कार और कर्नाटक सरकार का राज्योत्सव पुरस्कार समेत विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह उनके निधन से दुखी हैं। सिद्दरामैया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कमला हम्पाना साहित्यिक कार्यों के साथ-साथ शोध और शिक्षण के लिए भी लोकप्रिय थीं और सबकी भलाई चाहती थीं। राज्य के कई नेताओं ने हम्पाना के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

वायुसेना स्टेशन, यलहंका ने राष्ट्रसेवा की हीरक जयंती मनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वायुसेना स्टेशन, यलहंका ने राष्ट्र के लिए सेवा के 60 साल पूरे कर लिए हैं। वर्षभर चलने वाला हीरक जयंती समारोह जो 1 अगस्त, 2023 को शुरू हुआ था, शनिवार को भव्य समारोह के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में हेलीकॉप्टरों का आकर्षक हवाई प्रदर्शन शामिल था। इसमें प्रसिद्ध 'आकाशगंगा' स्काई-डाइविंग टीम द्वारा पैरा-जंपिंग और लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर-प्रचंड का आकर्षक प्रदर्शन भी हुआ। इस महत्त्वपूर्ण अवसर को यादगार बनाने के लिए परिवहन एवं हेलीकॉप्टर परिचालन पर सेमिनार का आयोजन किया गया तथा उसके बाद एक 'विशेष कवर' भी जारी किया गया।

पूरे साल के दौरान स्टेशन द्वारा विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाती रही हैं, जैसे कि फुल मोशन सिम्युलेटर (एफएमएस) का संचालन, साइकिलिंग और ट्रैकिंग अभियान, हवाई साहसिक शिविर और कई अन्य गतिविधियां, जिनमें वायुसेना परिवार कल्याण एसोसिएशन के तत्वावधान में परिवारों को शामिल किया गया है।

पिछले कुछ वर्षों में यलहंका एयरबेस, जो द्विवार्षिक 'एयरो इंडिया' के आयोजन का पर्याय बन गया है, ने अपने लिए एक अलग स्थान बना लिया है। इसे 'एयरलिफ्ट के मातृसंस्थान' के रूप में गर्व से पहचाना जाता है, क्योंकि यह युवा वायुचालकों को प्रशिक्षण देता है। भारतीय वायुसेना के प्रशिक्षण कमान के वरिष्ठ एयर स्टाफ अधिकारी एयर मार्शल एसके इंदौरिया ने अपने संबोधन में पूर्व सैनिकों को सलाम किया और स्टेशन को इस उपलब्धि तक पहुंचाने में उनके उत्कृष्ट योगदान की सराहना की। उन्होंने मिशन में उत्कृष्टता के लिए स्टेशन की सराहना की और एयरो इंडिया की मेजबानी के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में इसके अपार योगदान की भी तारीफ की।

तमिलनाडु जहरीली शराब त्रासदी के दोषियों को बचा रही है द्रमुक : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तमिलनाडु में हाल ही में हुई जहरीली शराब त्रासदी को लेकर राज्य के मद्यनिषेध एवं आबकारी मंत्री एस मुथुसामी के तत्काल इस्तीफे की शनिवार को मांग की और राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) पर दोषियों को बचाने का आरोप लगाया।

भाजपा ने इस घटना की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की भी मांग की है। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत हो गई, जबकि कई का स्थानीय अस्पतालों में उपचार किया जा रहा है।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इन मौतों को राज्य प्रायोजित हत्या करार दिया और दक्षिणी राज्य में इस त्रासदी के लिए सत्तारूढ़ द्रमुक को पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराया। पूनावाला ने कहा, अब तक 53 लोगों की मौत हो चुकी है और उनमें से अधिकांश अनुसूचित जाति के थे। इस राज्य प्रायोजित हत्या पर कार्रवाई करने के बजाय द्रमुक इस जघन्य अपराध के खलनायकों को बचाने में लगी हुई है। राज्य में पहले भी हुई ऐसी ही घटनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि शराब माफिया और द्रमुक नेताओं के बीच सांठगांठ है और उन्होंने इसकी सीबीआई जांच की मांग की। पूनावाला ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी) को घटना का स्वत: संज्ञान लेना चाहिए और तमिलनाडु सरकार तथा राज्य पुलिस प्रमुख को नोटिस जारी करके पूछना चाहिए कि इन मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है।

उन्होंने कहा, ''भाजपा इस घटना की निष्पक्ष जांच के लिए तमिलनाडु के मद्य निषेध एवं आबकारी मंत्री मुथुसामी के तत्काल इस्तीफे की मांग करती है।'' उन्होंने सवाल किया कि मुख्यमंत्री एम के स्टालिन इस मामले की जांच सीबीआई को क्यों नहीं सौंप रहे हैं। पूनावाला ने इस मुद्दे पर कांग्रेस और इंडिया' गठबंधन के अन्य घटकों की 'चुप्पी' को लेकर भी निशाना साधा।

उन्होंने कहा, (कांग्रेस नेता) राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा ने इस मुद्दे पर एक शब्द भी नहीं कहा है, जिन्होंने (लोकसभा) चुनाव के दौरान दलितों और दक्षिण भारत के बारे में अनगिनत बार बात की थी। इसका मतलब है कि दक्षिण भारत और अनुसूचित जाति के लोगों के लिए उनकी चिंता दिखावटी है।

रेणुकास्वामी हत्या मामला

अदालत ने अभिनेता दर्शन को चार जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में बेंगलूरु की एक अदालत ने कन्नड़ अभिनेता दर्शन थूगुदीप को रेणुकास्वामी हत्या मामले में शनिवार को चार जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दर्शन के कथित चार साथियों को भी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अभिनेता 11 जून से पुलिस हिरासत में है।

विशेष लोक अभियोजक ने अदालत से अनुरोध किया कि आरोपियों को अलग-अलग तथा कर्नाटक की विभिन्न जेलों में रखने का निर्देश दिया जाए। इसका दर्शन के वकीलों ने विरोध किया। दर्शन और उनके सहयोगियों को बेंगलूरु के परप्पना अग्रहारा स्थित केंद्रीय कारागार ले जाया गया। अदालत के बाहर बड़ी संख्या में अभिनेता के प्रशंसक एकत्र हुए और उन्होंने दर्शन के पक्ष में नारे लगाए। अभिनेता ने भी पुलिस वैन से उनका अभिवादन किया।

दर्शन (47) की मित्र पवित्रा गौड़ा सहित 13 अन्य आरोपियों को दो दिन पहले 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। रेणुकास्वामी की हत्या के मामले में अब तक कुल 17 लोगों को आरोपी बनाया गया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार अभिनेता के प्रशंसक रेणुकास्वामी ने गौड़ा को अश्लील संदेश भेजे थे।

रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर अभिनेत्री गौड़ा के सोशल मीडिया अकाउंट पर टिप्पणी कर उन पर अभिनेता व उनकी पत्नी के बीच दरार पैदा करने का आरोप लगाया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अभिनेता के प्रशंसक रेणुकास्वामी ने कथित तौर पर गौड़ा को आपत्तिजनक संदेश भेजे थे। इससे दर्शन नाराज हो गए और कथित तौर पर उसकी हत्या कर दी गई।

रेणुकास्वामी का शव नौ जून को सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट के बगल में नाले के पास से बरामद किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार रेणुकास्वामी की मौत कई चोटों के कारण और रक्तस्राव के कारण हुई थी।

कांग्रेस को कोडिकुनिल सुरेश को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाना चाहिए : भाजपा

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और कांग्रेस द्वारा लोकसभा के अस्थायी अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) की नियुक्ति के मुद्दे पर केंद्र सरकार की आलोचना किए जाने के एक दिन बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को इस मुद्दे पर पलटवार किया और कहा कि कांग्रेस को कोडिकुनिल सुरेश को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाना चाहिए। विजयन और कांग्रेस दोनों ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि लोकसभा में सबसे वरिष्ठ सांसद सुरेश को अस्थायी अध्यक्ष नियुक्त नहीं करना संसदीय परंपराओं का उल्लंघन है। भाजपा की केरल ईकाई के अध्यक्ष के. सुरेन्द्रन ने इस आरोप पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस को सुरेश को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाना चाहिए।

सुरेन्द्रन ने फेसबुक पर एक पोस्ट में देश की सबसे पुरानी पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा, किसी भी हालत में सुरेश को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनाया जाना चाहिए। उन्हें दो दिन के लिए अस्थायी अध्यक्ष नहीं बनाए जाने का विरोध कांग्रेस पार्टी को यह कदम उठाकर करना चाहिए।

महिला शक्ति के हित में राज्य सरकार ने लिए कई ऐतिहासिक निर्णय : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि आधी आबादी के योगदान के बिना देश और प्रदेश सशक्त नहीं बन सकता इसलिए प्रदेश सरकार महिला शक्ति के उत्थान और चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। शर्मा शनिवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य में तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं का आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने पर महिला शक्ति द्वारा अभिनन्दन और आभार समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को बराबर के अधिकार और अवसर मिलना आवश्यक है।

इस दौरान बड़ी संख्या में आई महिलाओं ने मुख्यमंत्री को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आभार जताया। शर्मा ने कहा कि महिला सशक्तीकरण आर्थिक स्वतंत्रता तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह सामाजिक, शैक्षिक और राजनीतिक क्षेत्र में भी महिलाओं को समान अवसर प्रदान करने की बात करता है क्योंकि महिलाएं सशक्त होंगी तो वे परिवार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से ही नारी शक्ति को आदर और सम्मान दिया जाता है। हम शक्ति के लिए मां दुर्गा, विद्या के लिए मां सरस्वती और धन के लिए मां लक्ष्मी की आराधना करते हैं। हमारे जीवन में भी मां, बहन, बेटी, पत्नी और अन्नपूर्णा के रूप में नारी का अहम स्थान है। शर्मा ने कहा कि हमारी बहन और बेटियां देश और प्रदेश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं इसके लिए सरकार ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए आरक्षण 30 से बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने सहित कई ऐतिहासिक निर्णय लिए हैं। प्रदेश के 73 लाख परिवारों की महिलाओं को 450 रूपए में रसोई गैस सिलेण्डर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री मातृ वन्दन योजना के तहत गर्भवती और धात्री महिलाओं को दी जाने वाली राशि भी बढ़ाकर 6500 रूपए कर दी गई है।

उन्होंने कहा कि 'लाडो प्रोत्साहन' योजना में गरीब परिवारों में बालिकाओं के जन्म पर एक लाख रूपए का सेविंग बॉन्ड देने, पंचायती राज, नगरीय निकाय तथा आंगनबाड़ी कर्मियों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि करने के साथ ही साथिन कार्यकर्ताओं का मानदेय भी बढ़ाया गया है। शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में प्रदेश महिला अत्याचार के मामलों में अव्वल हो गया था। महिलाएं अपने आप को असुरक्षित महसूस करती थीं लेकिन हमारी सरकार ने महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 'एंटी रोमियो स्क्वाड' का गठन किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य के युवा चिंता ना करें, सरकार बेटियों के साथ ही उन्हें भी आगे बढ़ने के पूरे अवसर उपलब्ध कराएगी। आगामी दिनों में राज्य के विभिन्न विभागों में रिक्त पदों पर चरणबद्ध तरीके से भर्ती परीक्षाएं आयोजित कर उन्हें भरा जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रदेश में स्थापित होने वाले उद्योगों में भी युवाओं को रोजगार के भरपूर अवसर मिलेंगे।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि देश की आधी आबादी सशक्त और मजबूत बने इसलिए उन्होंने देश की तीन करोड़ महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य रखा है। 'सुकन्या समृद्धि' योजना के तहत 3.2 करोड़ खाते खोले जा चुके हैं। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर शौचालय का निर्माण कर महिलाओं को खुले में शौच से मुक्ति दी गई है और अब तो प्रधानमंत्री आवास योजना में भी आवास महिलाओं के नाम ही आवंटित किया जाता है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के प्रधानमंत्री के संकल्प को साकार करने में महिला शक्ति की अहम भूमिका है।

राज्य सरकार विकसित राजस्थान और विकसित भारत के लिए नारी शक्ति के हित में निरंतर फैसले करती रहेगी। इस दौरान बालिका पूजा पुरी गोस्वामी ने मुख्यमंत्री को वुड बर्न आर्ट से बनाया हुआ चित्र भेंट किया। समारोह में आई महिलाओं और बालिकाओं ने मुख्यमंत्री के साथ शेल्फी भी ली।

अलवर में तीन पैंथरों की मौत, बिजली लाइन की चपेट में आने से गई जान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान के अलवर के सरिस्का टाइगर रिजर्व में डेहरा क्षेत्र में तीन पैंथरों की मौत की सूचना के बाद हड़कंप मच गया। मृत तीनों पैंथर में से एक मादा और दो शावक हैं। सूचना पर शुक्रवार देर रात को वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और मृत पैंथरों के शवों को अलवर वन मंडल के नया बास कार्यालय लाया गया, जहां शवों का पोस्टमार्टम कराया गया। बता दें कि इसी क्षेत्र में करीब दो साल पहले एक मादा पैंथर और दो शावकों की मौत जहर देने के कारण हुई थी। वर्तमान में एसटी-18 व 2023 बाघों का मूवमेंट इसी क्षेत्र में है। दरअसल, अलवर शहर के समीप स्थित वन विभाग की लव कुश वाटिका के पास अमृतवास गांव के जंगल में दो शावक व एक मादा पैंथर की मौत की सूचना पर वनकर्मी मौके पर पहुंचे। वनकर्मियों को वहां 11 हजार केवी की लाइन टूटी मिली, जिसका करंट लगने से मादा पैंथर और दो शावक पैंथरों की मौत होने की बात कही गई। अलवर वन मंडल के डीएफओ राजेंद्र कुमार हुड्डा ने बताया कि डेहरा क्षेत्र के अमृतवास गांव में तीनों पैंथर की मौत बिजली की लाइन टूटकर करंट लगने से हुई है।

उन्होंने बताया कि पैंथर टूटी हुई लाइन के संपर्क में आ गए, जिसके चलते उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद तुरंत बिजली की लाइन शिफ्ट कर दी गई। यह रक्षित वन क्षेत्र है। यहां पहले से ही ट्रांसफर लगे हुए थे। उन्होंने कहा कि पूर्व में इसी क्षेत्र में हुई घटना का मैटर अलग था, जिस में जांच कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसके बाद से यहां वन मंडल की ओर से वृक्षारोपण भी किया गया और निरंतर वन की निगरानी की जा रही है।

हुड्डा ने बताया कि पैंथरों के शव दो से तीन दिन पुराने हैं। बिजली लाइन गांव से गुजर रही है। इन लाइनों को शिफ्ट करने के लिए बिजली निगम को शीघ्र से शीघ्र लिखा जाएगा। वेटरनरी डॉ. अनुष तोमर ने बताया कि तीनों पैंथर का पोस्टमार्टम हो चुका है। पैंथरों की बॉडी जली पाई गई है। करंट लगने से तीनों ही पैंथर के ऑर्गन्स पूरी तरीके से जल गए थे। डॉक्टर ने बताया कि प्रथम दृष्टया करंट लगने से ही मौत होना पाया गया है। मौत के स्पष्ट कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही लगेगा।

जोधपुर में सांप्रदायिक हिंसा भड़की, दो पुलिसकर्मी घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। राजस्थान में जोधपुर के एक इलाके में सांप्रदायिक हिंसा भड़कने पर पथराव में दो पुलिसकर्मी घायल हो गए, एक दुकान में आग लगा दी गई और दो वाहनों को नुकसान पहुंचाया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। जोधपुर पश्चिम के पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार यादव ने बताया कि सूर सागर इलाके में राजाराम सर्किल के पास ईदगाह के पीछे की तरफ द्वार के निर्माण को लेकर शुक्रवार रात झड़प हुई। इलाके के लोग द्वार के निर्माण का विरोध कर रहे हैं।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि बीती रात तनाव बढ़ गया और कुछ लोगों ने पथराव किया, जिसमें दो पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, एक दुकान और एक ट्रैक्टर को आग लगा दी गई और एक जीप में तोड़फोड़ की। अधिकारी ने कहा, पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर लोगों को वहां से खदेड़ दिया और आंसू गैस के चार-पांच गोले भी छोड़े।

शुक्रवार देर रात तक स्थिति पर काबू पा लिया गया, लेकिन इलाके में तनाव की स्थिति बनी हुई है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शनिवार सुबह भी काफी संख्या में पुलिसकर्मी और 'राजस्थान आर्म्ड कांस्टेबुलरी' बल को इलाके में तैनात रखा गया। पुलिस आयुक्त राजेंद्र सिंह ने बताया कि दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर दो प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों पक्षों के लोगों को हिरासत में ले लिया गया है। पुलिस संदिग्धों को पकड़ने के लिए इलाके में छापेमारी कर रही है। पुलिस के अनुसार, ईदगाह के पीछे की तरफ द्वार बनाने के लिए शुक्रवार शाम दीवार का निर्माण कार्य शुरू किया गया था, जिसका स्थानीय लोगों ने विरोध किया। इसके बाद विरोध ने हिंसक रूप ले लिया और पथराव, आगजनी व तोड़फोड़ की गई।

पुलिस ने मौके पर पहुंच कर भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया, कुछ लोगों ने सड़क किनारे मौजूद एक ट्रैक्टर में आग लगा दी और एक वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसके अलावा, भीड़ ने पुलिस पर भी पथराव किया। पुलिस ने दोनों समुदायों के मौजिज लोगों की मदद से कुछ समय के लिए स्थिति को नियंत्रित कर लिया था, लेकिन अचानक पथराव होने पर स्थिति फिर तनावपूर्ण हो गई।

अवैध रेत खनन मामले में सीबीआई ने राजस्थान में 10 स्थानों पर तलाशी ली

नयी दिल्ली/जयपुर। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अवैध रेत खनन के सिलसिले में शनिवार को राजस्थान में 10 स्थानों पर तलाशी ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार समझा जाता है कि एजेंसी ने जयपुर, टोंक, जोधपुर, नागौर, भीलवाड़ा, करोली और सीकर में विभिन्न स्थानों पर तलाशी के दौरान 20 लाख रुपये से अधिक नकदी और एक देसी पिस्तौल जब्त की।

उन्होंने बताया कि सीबीआई ने राजस्थान उच्च न्यायालय की जयपुर पीठ के आदेश पर अवैध रेत खनन मामले की जांच अपने हाथ में ली है। पहले बूंदी पुलिस ने इस सिलसिले में मामला दर्ज किया था। प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि पिछले साल 24 अक्टूबर को बिना वैध परमिट के एक डंपर से 40 मीट्रिक टन रेत की ढुलाई के दौरान शाहरुख को गिरफ्तार किया गया था।

टिन शेड गिरने से बच्ची की मौत

जयपुर। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले में टिन शेड गिरने से एक बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार देर रात तेज हवाओं के कारण घर के ऊपर निर्मित टिन शेड गिर गया और एक साल की बच्ची उसके नीचे फंस गई। बच्ची को मलबे से बाहर निकालकर नजदीकी अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने कहा कि बच्ची का शव उसके परिजनों को सौंप दिया गया है।

दीया कुमारी ने राजस्थान में रेल, राज़मार्ग और ऊर्जा क्षेत्र के लिए केन्द्र सरकार से मांगा सहयोग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/नई दिल्ली। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने प्रदेश के 21 जिलों की जीवनदाई रेखा साबित होने वाली पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना (ईआरसीपी) को जल्द ही मूर्त रूप देने एवं राज्य में रेल, राज़मार्ग और ऊर्जा क्षेत्र के लिए केन्द्र सरकार से सहयोग मांगा हैं। श्रीमती दीया कुमारी ने शनिवार को आगामी केंद्रीय परिवर्तित बजट 2024-25 से पहले केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में आयोजित बजट पूर्व चर्चा में राजस्थान का पक्ष रखा। उन्होंने राजस्थान की जनता से जुड़े हुए विकास के मुद्दों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा।

बैठक के दौरान श्रीमती दीया कुमारी ने राजस्थान के 21 जिलों की जीवनदाई रेखा साबित होने वाली ईआरसीपी को जल्द ही मूर्त रूप देने के सभी आयामों को विस्तार से रखा। उन्होंने राजस्थान में संचालित 'जल जीवन मिशन' की प्रगति और और इस मिशन को अधिक मजबूती देने तथा जल्द ही इसके लक्ष्यों को हासिल करने के लिए राजस्थान सरकार के प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए केंद्र सरकार से और अधिक सहयोग की मांग रखी।

दीया कुमारी ने बताया कि हमने केंद्रीय मंत्री के समक्ष राजस्थान में लंबित तीन प्रमुख रेल परियोजनाओं को जल्द ही मूर्त रूप देने के विषय को भी रखा ताकि रेल सुविधाओं से वंचित राजस्थान के दूरस्थ इलाकों में विकास की धारा को पहुंचाया जा सके।

प्रदेश में नए राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और उनके सुदृढ़ीकरण को लेकर भी केंद्रीय मंत्री से बैठक के दौरान चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य होने के साथ-साथ राजस्थान में बड़े शहरों को दूरस्थ इलाकों के गांवों और ढाणियों से जोड़ने के लिए सड़कों का सुदृढ़ जाल होना बहुत जरूरी है ताकि राज्य के सभी हिस्सों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा जा सके।

दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान में कृषि, उद्योग के साथ प्रदेश की आधारभूत संरचना के विकास में पर्याप्त ऊर्जा की सुलभ उपलब्धता बहुत अहम स्थान रखती है, इसलिए राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्रीय सहयोग आवश्यक है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से राजस्थान में संचालित ऊर्जा कंपनियों के लिए विशेष सहयोग दिए जाने की मांग रखी ताकि ऊर्जा के क्षेत्र में राजस्थान सभी संभावित संभावनाओं का बेहतर ढंग से दोहन करते हुए विकास को आगे बढ़ा सके। निर्मला सीतारमण ने आश्वास्त किया कि केंद्र सरकार राजस्थान की सभी मांगों पर सकारात्मक कदम उठाएगी।

झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से महिला की मौत

उदयपुर। बिकरणी ग्राम पंचायत मुख्यालय पर झोलाछाप के गलत इंजेक्शन लगाने से हुई महिला की मौत पर गुस्साए लोगों ने शुक्रवार देर शाम हथियारों, पत्थरों से लैस होकर आए लोगों ने झोलाछाप के क्लीनिक पर हमला बोल दिया। वहां पर डॉक्टर के नहीं मिलने पर मकान मालिक के घर में हमला कर दिया, जिसमें तीन परिजन घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वहां पर स्थिति को देखकर सुरक्षा के प्रबंध बढ़ाए। मांडवा थाना क्षेत्र के देबरी खेजरी निवासी सिरमी (56) पत्नी हमरिया बुंबरिया की तबीयत खराब होने पर परिजन बिकरणी में एक झोलाछाप के क्लीनिक पर उपचार के लिए लेकर लाए थे। झोलाछाप ने बिना जांच किए इंजेक्शन लगा दिया, जिससे महिला की तबियत बिगड़ गई।

परिजन महिला को तुरंत सीमावर्ती गुजरात के पोशीना के लिए लेकर रवाना हुए, लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही महिला ने रास्ते में दम तोड़ दिया और परिजनों का गुस्सा बढ़ गया।

राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन को मिला ईटी गवर्नमेंट पीएसयू लीडरशिप अवार्ड

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (आरएमएससी) को प्रतिष्ठित ईटी गवर्नमेंट पीएसयू लीडरशिप और एक्सीलेंस अवार्ड2024 के तहत 'डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में नेतृत्व' श्रेणी में सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार आरएमएससी की परियोजना 'बायोमेडिकल उपकरण आपूर्ति श्रृंखला को सुव्यवस्थित करना: एक डिजिटल दृष्टिकोण' के सफल कार्यान्वयन के लिए प्रदान किया गया है। यह पुरस्कार नई दिल्ली में आयोजित 5वीं राष्ट्रीय पीएसयू समिट 2024 के दौरान प्रदान किया गया। ङ्गगरिमामय समारोह में आरएमएससी के अतिरिक्त निदेशक श्री विक्रम सिंह संखला और राज्य नोडल अधिकारी इन्वेंटरी डॉ. प्रेम सिंह ने पुरस्कार ग्रहण किया। आरएमएससी की

प्रबंध निदेशक श्रीमती नेहा गिरि ने बताया कि प्रदेश में निरंतर चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है। इसी क्रम में राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉरपोरेशन के माध्यम से चिकित्सा संस्थानों में तकनीक आधारित सिस्टम से चिकित्सा उपकरणों की आपूर्ति एवं उनके रखरखाव का काम किया जा रहा है। यह पुरस्कार स्वास्थ्य के क्षेत्र में समर्पित प्रयासों और नवाचारों का ही प्रमाण है। उन्होंने बताया कि बायोमेडिकल उपकरणों की आपूर्ति श्रृंखला को डिजिटल माध्यम से सुव्यवस्थित करके न केवल कार्यकुशलता में सुधार किया है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। श्रीमती गिरि ने बताया कि इस अवार्ड के चयन के लिए गठित ज्यूरी दल में कई प्रतिष्ठित हस्तियाँ शामिल थीं, जिनमें श्री अतुल चतुर्वेदी, आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव, पशुपालन और डेयरी विभाग, डॉ. नीता वर्मा, पूर्व महानिदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र, और श्रीमती सोमा मोंडल, पूर्व अध्यक्ष, सेल शामिल हैं।

वसुंधरा राजे करतीं प्रचार तो पार्टी को होता फायदा : सुमेधानंद सरस्वती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर । राजनीति में कोई चीज स्थाई नहीं होती है। अनेक समीकरण बनते हैं और समीकरणों के आधार पर ही हार जीत होती है। यह कहना है सीकर लोकसभा क्षेत्र से दो बार के सांसद रहे और लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी स्वामी सुमेधानन्द सरस्वती का। उन्होंने राहुल कस्वां का टिकट कटने से पार्टी को नुकसान की बात भी कही। साथ ही कहा कि वसुंधरा राजे अगर चुनाव प्रचार करतीं तो पार्टी को फायदा होता। लोकसभा चुनाव में अपनी हार के बारे में बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि जहां तक लोकसभा 2024 के चुनाव के प्रथम चरण में राजस्थान की 12 सीटों में से 8 सीटों पर भाजपा हारी। इसका बहुत बड़ा कारण रहा वोट प्रतिशत कम होना। किसान आंदोलन और गठबंधन की पार्टियों की ओर से झूठे तरीके से प्रचार करना। केंद्र सरकार की अग्निवीर योजना को सही तरीके

युवाओं को नहीं समझा पाने के कारण भी नुकसान हुआ।

स्वामी सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि कहा कि राहुल कस्वां का टिकट काटने का असर शेखावाटी की चारों सीट चूरू, सीकर, झुंझुनूं और नागौर पर पड़ा है। इसको बिल्कुल भी नकारा नहीं जा सकता, लेकिन केवल जाट वोटों को ही बात नहीं है। इसके अलावा एससी को डराया गया कि आपका संविधान खतरे में पड़ जाएगा, आपका आरक्षण खत्म कर देंगे। इसके चलते एससी के वोट भाजपा को कम मिले, साथ ही राजपूत के वोट भी कम पड़े। राजपूतों ने वोट तो दिए, लेकिन काफी कम पड़े हैं। इसका मुख्य कारण रूपाला का बयान रहा।

वसुंधरा राजे की झालावाड़ के अलावा अन्य जगह सक्रियता कम रहने के सवाल पर सुमेधानंद सरस्वती ने कहा कि हो सकता है मैडम अगर चुनाव प्रचार में जार्ती, तो कुछ न कुछ पार्टी को लाभ मिलता। दो बार प्रदेश की मुख्यमंत्री रही हैं और पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। इसके साथ ही प्रभावशाली नेता हैं, इसलिए उनका प्रभाव जरूर पड़ता। लेकिन वह खुद नहीं गईं या पार्टी ने नहीं बुलाया, इस बारे में मैं कुछ नहीं कहूंगा।

पार्टी में आगे की भूमिका के सवाल पर उन्होंने कहा मेरे ऊपर पार्टी का ऋण है, क्योंकि पार्टी ने बिना मांगे ही दो बार मुझे टिकट दिया और सहयोग किया। इसके साथ ही हमेशा पार्टी ने मेरा सम्मान किया। जब तक मेरे इस शरीर में प्राण है, तब तक पार्टी मुझे जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे पूरा करूंगा। मेरी हार से पार्टी के कार्यकर्ता निराश न हों, केंद्र और राज्य में हमारी सरकार है। हम काम करेंगे और सबको साथ लेकर काम करेंगे।

पृथ्वीराज चौहान खेल महाकुंभ 30 से 7 जुलाई तक होगा

अजमेर। महापौर ब्रजलता हाड़ा ने बताया कि खेल महाकुंभ के मध्यम से खेल को प्रोत्साहन देने व शहर को एक वृहद मंच उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से खेल महाकुंभ का आयोजन निगम करता है। इस हेतु खेल अधिकारियों, खेल विशेषज्ञ, पार्षदों की कमेटी बनाई गई है, महापौर हाड़ा से अजमेर के युवाओं से अधिकाधिक खेल महाकुंभ का हिस्सा बनने का आग्रह किया है। उपमहापौर नीरज जैन ने बताया कि अजमेर की प्रतिभाओं को मंच देने व उनके सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा कई वर्षों से अनवरत खेल महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रवेश नि:शुल्क रहेगा।

अजमेर वासियों में खेलों के माध्यम से खिलाड़ियों में टीम भावनाएं बढ़े, जिस क्रम में आगामी 30 जून से 7 जुलाई तक विभिन्न स्थानों पर आयोजित होने है, जिसमें कबड्डी, बोलीबाल, बैडमिंटन, हॉकी, शूटिंग, बास्केटबॉल, कुश्ती, लॉन टेनिस, फुटबॉल, बॉक्सिंग, साइकिलिंग, स्विमिंग, योग, खो-खो, टेबल टेनिस, स्केटिंग, तीरंदाजी आदि खेलों हेतु प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

नाबालिग भांजी के साथ अश्लील हरकत करने वाले मामा को चार वर्ष की कैद

ग्रेटर नोएडा (उप्र)/भाषा। गौतमबुद्ध नगर जनपद की एक अदालत ने नाबालिग भांजी के साथ अश्लील हरकत करने के जुर्म में एक व्यक्ति को चार साल की कैद की सजा सुनाई है। सहायक शासकीय अधिवक्ता चवनपाल भाटी ने बताया कि अपर सत्र विशेष न्यायाधीश (पोक्सो) की अदालत ने एक व्यक्ति को नाबालिग भांजी से छेड़छाड़ करने के जुर्म में चार साल के कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने अभियुक्त पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर अभियुक्त एक माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। 2017 में बच्ची के पिता ने मामला दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता ने शिकायत की थी चार अक्टूबर, 2017 को बेटी घर पर अकेली थी तब वहां पर बांदा के सुहाना निवासी प्रेमदीप पहुंचा और उसने दुष्कर्म करने का प्रयास किया।

भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को तीर्थ के रूप में विकसित करेगी मप्र सरकार : मोहन यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करेगी उन्होंने बताया कि सरकार ने राज्य की राजधानी भोपाल में प्रवेश बिन्दुओं पर इन देवताओं से संबंधित तोरण द्वार बनाने का भी निर्णय लिया है।

एक अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री यादव ने शुक्रवार को संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक के दौरान इस संबंध में निर्देश जारी किए।

यादव ने कहा, ''मध्य प्रदेश सरकार राज्य में भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों की पहचान करेगी और उन्हें तीर्थ स्थल के रूप में विकसित करेगी।''

उन्होंने विभाग को भोपाल शहर के प्रवेश बिंदुओं पर भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से संबंधित तोरण द्वार बनाने के निर्देश दिए तथा 11वीं शताब्दी के परमार वंश के शासक राजा भोज के अलावा भारतीय साहित्य में वर्णित राजा विक्रमादित्य को समर्पित प्रवेश द्वार निर्मित करने की योजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

अधिकारी ने बताया कि यादव ने अधिकारियों को राज्य की सीमाओं पर प्रवेश द्वार बनाने के निर्देश भी दिए ताकि लोगों को मध्य प्रदेश की संस्कृति और धार्मिक महत्व वाले स्थलों के बारे में जानकारी मिल सके।

मुख्यमंत्री ने प्रशासन को धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए धार्मिक स्थलों के विकास की योजना बनाने के निर्देश दिए।

राज्य में लोगों के बीच भारतीय संस्कृति और दर्शन का प्रचार-प्रसार करने के लिए मानस जयंती के अवसर पर गीता महोत्सव आयोजित करने को लेकर कार्य योजना बनाने के भी विभाग को निर्देश दिए गए हैं।

यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम और श्रीकृष्ण से जुड़े स्थलों को स्थानीय प्रतिनिधियों की मदद से विकसित किया जाना चाहिए उन्होंने कहा कि राज्य में पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है और पर्यटन स्थलों के प्रचार की जरूरत पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि विभिन्न संग्रहालयों के माध्यम से स्थानीय उत्पादों और धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हसीना के साथ वार्ता की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ शनिवार को व्यापार और संपर्क सहित विविध क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने के लिए व्यापक बातचीत की। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शुक्रवार से दो दिवसीय भारत यात्रा पर हैं। लोकसभा चुनाव के बाद भारत में नई सरकार के गठन के बाद, किसी विदेशी नेता की यह पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा,'' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने द्विपक्षीय वार्ता से पहले हैदराबाद हाउस में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना का गर्मजोशी से स्वागत किया।'' उन्होंने कहा, '' दोनों नेता 2019 से दस बार मुलाकात कर चुके हैं, जिससे रिश्तों में अभूतपूर्व बदलाव आया है।'' बांग्लादेश की प्रधानमंत्री हसीना ने सुबह राजघाट जाकर महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री के साथ वार्ता से पहले हसीना का राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में रस्मी स्वागत किया गया। अधिकारियों ने बताया कि मोदी-हसीना वार्ता का मुख्य उद्देश्य व्यापार, संपर्क और ऊर्जा के क्षेत्रों सहित द्विपक्षीय संबंधों को नई गति प्रदान करना है।

हसीना भारत के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के उन सात शीर्ष नेताओं में शामिल थीं, जो नौ जून को राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे। पिछले कुछ वर्षों में भारत और बांग्लादेश के बीच समग्र सामरिक संबंध तेजी से बढ़े हैं।

फिरोजाबाद जेल में क़ैदी की मौत पर बवाल को लेकर 45 नामजद, 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

फिरोजाबाद (उप्र)/भाषा। फिरोजाबाद जेल में दलित बंदी की मौत के बाद हुए बवाल और उपद्रव के मामले में पुलिस ने 45 नामज़द और 50 अज्ञात लोगों के ख़िलाफ़ प्राथमिकी दर्ज की है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार चोरी के आरोप में जेल भेजने के बाद एक युवक की हालत बिगड़ने पर मौत हो गई थी। इसके बाद पोस्टमार्टम पूरा होने के बाद शव घर ले जाते समय पुलिस एवं लोगों के बीच झड़प हो गयी जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए थे। पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ व आगजनी की गई थी। मुख्यमंत्री राहत कोष से 5 लाख रु. की आर्थिक सहायता का चेक दिये जाने के बाद युवक का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

नए परीक्षा कानून को लागू करना लीपापोती का प्रयास : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि नीट-स्नातक, यूजीसी-नेट को लेकर जारी विवाद के बीच केंद्र सरकार द्वारा लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 को अधिसूचित किया जाना लीपापोती का एक प्रयास है।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि जब तक शिक्षा प्रणाली व स्वायत्त संस्थानों को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की दखलंदाजी से मुक्त नहीं किया जाता तब तक यह धांधली और भ्रष्टाचार जारी रहेगा। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी-नेट) को लेकर विवाद के बीच, केंद्र सरकार ने लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 अधिसूचित किया, जिसका उद्देश्य प्रतियोगी परीक्षाओं में कदाचार और अनियमितताओं पर अंकुश लगाना है। इस अधिनियम के तहत अपराधियों के लिए अधिकतम 10 साल की जेल की सजा और एक करोड़ रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। खरगे ने पोस्ट किया, ''नीट घोटाले में भाजपा जितनी भी कोशिश कर ले, धांधली, भ्रष्टाचार और शिक्षा माफिया को बढ़ावा देने की अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकती।'' उन्होंने दावा किया कि प्रश्नपत्र लीक के खिलाफ कानून अधिसूचित नहीं हुआ था, लेकिन जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की प्रेस वार्ता में उनसे इसके बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह कानून अधिसूचित हो गया है।

विधानसभा चुनाव में कम सीट पर समझौता नहीं करेगी राकांपा (एसपी): शरद पवार ने दिये संकेत

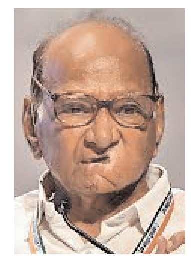

पुणे/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में पार्टी महा विकास आघाडी (एमवीए) सहयोगियों की तुलना में कम सीट पर चुनाव लड़ने पर राजी हो गई थी लेकिन विधानसभा चुनाव में ऐसा नहीं होगा। पार्टी के एक नेता ने राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार को उद्धृत करते हुए यह बात कही। पवार ने पुणे शहर और जिले के पार्टी पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की और इसके बाद विधायकों और नवनिर्वाचित सांसदों के साथ भी एक बैठक की थी। राकांपा (शरदचंद्र पवार) पुणे इकाई के प्रमुख प्रशांत जगताप पहली बैठक में शामिल हुए थे। जगताप ने बताया कि बैठक में पवार ने सदस्यों से कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव में कम सीटों पर चुनाव सिर्फ इसलिए लड़ा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि शिवसेना और कांग्रेस के साथ गठबंधन बरकरार रहे। जगताप ने कहा,'' उन्होंने संकेत दिए हैं कि विधानसभा चुनाव में स्थिति अलग होगी।'' उन्होंने बताया कि राकांपा (शरद पवार) प्रमुख ने पुणे, बारामती, मावल और शिरूर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में आने वाले विधानसभा क्षेत्रों में स्थिति की भी समीक्षा की।

जल संकट को लेकर आतिशी का अनिश्चितकालीन अनशन दूसरे दिन भी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में जल संकट को लेकर दिल्ली की जल मंत्री आतिशी का अनिश्चितकालीन अनशन दूसरे दिन, शनिवार को भी जारी है।

दक्षिणी दिल्ली के भोगल में अपने 'जल सत्याग्रह' स्थल से एक वीडियो संदेश में आतिशी ने कहा कि जब तक हरियाणा दिल्ली वासियों के लिए और पानी नहीं छोड़ता, तब तक वह कुछ नहीं खाएंगी। उन्होंने कहा कि शहर में 28 लाख लोग पानी की किल्लत से जूझ रहे हैं। मंत्री का अनिश्चितकालीन अनशन शुक्रवार को शुरू हुआ और उन्होंने आरोप लगाया कि हरियाणा यमुना नदी में दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं छोड़ रहा है उन्होंने कहा कि शुक्रवार को हरियाणा ने 11 करोड़ गैलन प्रतिदिन (एमजीडी) कम पानी छोड़ा उन्होंने कहा, ''एक एमजीडी पानी से 28,000 लोगों को जलापूर्ति होती है। 100 एमजीडी पानी की कमी का मतलब है कि दिल्ली में 28 लाख लोगों को पानी नहीं मिल रहा है।''

श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाने वाले मुख्य पुजारी आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित का निधन

वाराणसी (उप्र)/भाषा। अयोध्या में भव्य राम मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाने वाले मुख्य पुजारी आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित का शनिवार सुबह निधन हो गया। परिजनों ने यह जानकारी दी। परिजनों ने बताया कि वह 86 वर्ष के थे और पिछले कुछ दिनों से बीमार थे। उनका दाह संस्कार मणिकर्णिका घाट पर किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य मंदिर में भगवान श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की गयी थी।

आचार्य दीक्षित की गिनती काशी के वरिष्ठ विद्वानों में होती है। आचार्य दीक्षित के द्वारा काशी के 121 ब्राह्मणों ने अयोध्या के भव्य मंदिर में श्रीरामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाई थी। लक्ष्मीकांत दीक्षित मूल रूप से महाराष्ट्र के शोलापुर जिले के रहने वाले थे, लेकिन कई पीढ़ियों से उनका परिवार काशी में रह रहा है। वे सांगवेद महाविद्यालय के वरिष्ठ आचार्य थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित के निधन पर दुख प्रकट करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''काशी के प्रकांड विद्वान एवं श्रीराम जन्मभूमि प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य पुरोहित, वेदमूर्ति, आचार्य श्री लक्ष्मीकांत दीक्षित जी का गोलोकगमन अध्यात्म और साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति है।'' योगी ने कहा, ''संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति की सेवा हेतु वे सदैव स्मरणीय रहेंगे।''

पुरी में भगवान जगन्नाथ की 'स्नान यात्रा' के लिए एकत्रित हुए हजारों श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुरी (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के पुरी शहर में शनिवार को 12वीं सदी के मंदिर में हजारों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ की 'स्नान यात्रा' के लिए एकत्रित हुए।

चक्रराज सुदर्शन के साथ भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की मूर्तियों को मंदिर परिसर में स्थित स्नान मंडप में लाया गया, जहां उन पर 108 घड़ों का पवित्र जल डाला गया। भगवान जगन्नाथ को 35 घड़ों के जल से स्नान कराया गया, जबकि भगवान बलभद्र को 33 घड़ों, देवी सुभद्रा को 22 घड़ों और चक्रराज सुदर्शन को 18 घड़ों के जल से स्नान कराया गया। जल मंदिर स्थित 'सुना कुआं' या स्वर्ण कुएं से लाया गया।

पानी में जड़ी-बूटी और सुगंधित तत्व मिलाए गए और उसके बाद उस जल से स्नान बेदी' में देवताओं का स्नान कराया गया। यह अनुष्ठान वार्षिक रथयात्रा उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है। जगन्नाथ संस्कृति के शोधकर्ता पंडित सूर्यनारायण रथशर्मा ने बताया कि गजपति महाराजा राजा दिब्यसिंह देब ने स्नान अनुष्ठान के तुरंत बाद 'स्नान मंडप' में 'चेरा पन्हरा' (झाड़ू लगाने) की रस्म निभायी। 'चेरा पन्हरा' के पूरा होने के बाद, देवताओं को 'स्नान बेदी' में 'हाथी बेसा' (हाथी की पोशाक) पहनाई गई। हाथी की पोशाक और इस अवसर पर विशेष वेशभूषा पारंपरिक रूप से राघबा दास मठ और गोपाल तीर्थ मठ के कारीगरों द्वारा तैयार की जाती है। मान्यता के अनुसार, अत्यधिक स्नान के कारण देवता बीमार पड़ जाते हैं और उन्हें 'अनासर गृह' में ले जाया जाता है। देवताओं को अब 'अनासर गृह' में 14 दिनों के लिए पृथकवास किया जाएगा। इस अवधि के दौरान श्रद्धालुओं को देवताओं के दर्शन करने की अनुमति नहीं होती है। ठीक होने पर, देवता 'नबजौबन दर्शन' के अवसर पर श्रद्धालुओं के सामने आते हैं।

झारखंडः जमीन हड़पने के मामले में ईडी की छापेमारी, एक करोड़ रुपये नकद, 100 कारतूस बरामद

रांची/भाषा। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और अन्य के खिलाफ कथित तौर पर जमीन हड़पने से जुड़े धन शोधन की जांच के सिलसिले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रांची में छापेमारी कर एक करोड़ रुपये नकद और 100 कारतूस जब्त किए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि कांके रोड स्थित एक परिसर में छापेमारी कर शुक्रवार शाम ये जब्ती की गईं। उन्होंने बताया कि परिसर के मालिक की पहचान कमलेश सिंह नाम के व्यक्ति के रूप में हुई है।

सूत्रों के अनुसार, छापेमारी की यह कार्रवाई पूर्व मुख्यमंत्री एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता हेमंत सोरेन के खिलाफ कथित तौर पर जमीन हड़पने के मामले में की जा रही है, लेकिन यह एक अलग भूखंड से जुड़ा मामला है उन्होंने बताया कि एजेंसी ने कारसूत बरामद किए जाने के संबंध में शस्त्र अधिनियम के तहत पुलिस में मुकदमा दर्ज कराया है। जांच के तहत ईडी सोरेन, भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी एवं रांची के पूर्व उपायुक्त छवि रंजन, भानु प्रताप प्रसाद और अन्य सहित 25 से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

पूर्वोत्तर में पहली बार 'ब्रेन डेड' व्यक्ति से गुर्दे का सफल प्रत्यारोपण किया गयाः शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को दावा किया कि पूर्वोत्तर में पहली बार 'ब्रेन डेड' व्यक्ति के गुर्दे को सफलतापूर्वक यहां एक सरकारी अस्पताल में दो लोगों में प्रत्यारोपित किया गया।

शर्मा ने बताया कि दुर्घटना के पीड़ित को 'ब्रेन डेड' (मस्तिष्क तौर पर मृत) घोषित किया गया था और उसके दो गुर्दों का गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में दो लोगों में प्रत्यारोपित किया गया। शर्मा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, जीएमसीएच में पिछले छह वर्षों से गुर्दा प्रत्यारोपण हो रहा है, लेकिन यह पहली बार है कि परिवार की अनुमति से एक 'ब्रेन-डेड' दानदाता से गुर्दा प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किया गया उन्होंने बताया कि जीएमसीएच में पहले भी ऐसी प्रक्रिया का प्रयास किया गया था, लेकिन सफलता नहीं मिली थी।

विद्यालय की टंकी का पानी पीने से 20 छात्र बीमार

लातेहार/भाषा। झारखंड के लातेहार जिले में शनिवार को एक विद्यालय में टंकी का पानी पीने से कम से कम 20 छात्र बीमार पड़ गये। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बच्चों को स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाने पर चिकित्सकों ने उनकी हालत स्थिर बतायी। यह घटना राज्य की राजधानी रांची से लगभग 80 किलोमीटर दूर दुरू के एक प्राइमरी विद्यालय की है। स्कूल के एक शिक्षक ने बताया कि खाना खाने के बाद बच्चे विद्यालय में बनी टंकी का पानी पीने चले गये। कुछ देर बाद कई छात्रों को उल्टी होने लगी और उन्होंने बेचैनी की शिकायत की। कुछ छात्रों ने बताया कि पानी से काफी दुर्गंध आ रही थी। छात्रों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां उनकी जांच की गई। चिकित्सकों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है। चंदवा प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन कुमार ने बताया कि पानी का नमूना जांच के लिए लिया गया है। उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा भी किया।

भारतीय महिला कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्व कप में लगायी स्वर्ण पदकों की हैट्रिक, प्रियांश को रजत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अंताल्या (तुर्की)/भाषा। भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कम्पाउंड महिला टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां तीसरे चरण में एस्टोनिया पर जीत से विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगायी जबकि प्रियांश को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश पुरुषों के फाइनल में दुनिया के पहले नंबर के माइक श्लोसेर से हार गये। शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय महिलाओं की तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल

जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारत की महिला कम्पाउंड टीम ने अप्रैल में शंघाई और और मई में येचियोन में क्रमशः विश्व कप के पहले चरण और दूसरे चरण के स्वर्ण पदक जीते थे। इस तरह टीम इस सत्र में अपराजेय रही है।

फिर उभरते हुए कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश नीदरलैंड के श्लोसेर को इस सत्र में दूसरी दफा हराने में विफल रहे जिससे उन्हें उप विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। वह शानदार प्रदर्शन से फाइनल में पहुंचे जिसमें पहले सेट में उन्होंने एक अंक गंवाया लेकिन इसके बाद वापसी नहीं कर सके और श्लोसेर ने 149-148 से जीत हासिल की।

सेमीफाइनल में 21 वर्षीय प्रियांश ने दुनिया के दूसरे नंबर के तीरंदाज माथियास फुलरटन को एक अंक से हराकर पिछले विश्व कप में मिली हार का बदला चुकता किया। विश्व कप के दूसरे चरण में डेनमार्क के तीरंदाज ने शूटऑफ में प्रियांश को हराकर बाहर कया था। प्रियांश के लिए यह दूसरा विश्व कप रजत पदक है। इस साल अप्रैल में सत्र के शुरूआती विश्व कप में प्रियांश फाइनल में आस्ट्रिया के निको विएनर से 147-150 से हारकर दूसरे स्थान पर रहे थे। भारत रविवार को रिकर्व फाइनल में तीन पदक जीतने का लक्ष्य बनाये होगा।

महज औपचारिकता का मुकाबला नहीं, हम इससे सीखने की कोशिश करेंगे : दीप्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। सीनियर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शनिवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय मुकाबले को भारत महज औपचारिकता का मैच नहीं मानेगा बल्कि टीम पिछले मैचों की बढ़त को मजबूत करना चाहेगी। भारत ने पहले दो मैच 143 और चार रन से जीतकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त बना ली है।

दीप्ति ने मैच से पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''हां, हमने श्रृंखला जीत ली है लेकिन हम इस मैच को सिर्फ औपचारिकता के रूप में नहीं देखेंगे। हमें जो भी मौके मिलेंगे हम उनसे सीखने की कोशिश करेंगे क्योंकि हम इस सप्ताह के अंत में (चेन्नई में) एकमात्र टेस्ट खेलने जा रहे हैं।'' इस ऑफ स्पिनर ने पहले मैच में अपने ऑलराउंड कौशल का प्रदर्शन किया था करते हुए महत्वपूर्ण 37 रन बनाए थे जिससे टीम पांच विकेट पर 99 रन की मुश्किल स्थिति से उबरने में सफल रही। उन्होंने इसके बाद मैच में दो विकेट भी चटकाए।

दीप्ति ने कहा, ''मुझे दबाव की स्थिति का सामना करना पसंद है। मेरी सोच बहुत स्पष्ट है। मैं हमेशा टीम को जीत दिलाना चाहती हूं या टीम को जीत की स्थिति में पहुंचाना चाहती हूं, फिर चाहे वह मेरी बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी। दोनों मैचों में भारत के शीर्ष क्रम ने धीमी शुरुआत की जिसके बाद बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में टीम ने तेजी से रन जुटाए। दीप्ति ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों ने श्रृंखला में अच्छा अनुकूलन कौशल दिखाया उन्होंने कहा, ''सलामी बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुसार खेलीं। शुरुआती ओवरों में गेंद थोड़ी घूम रही थी और उन्होंने इसे ध्यान में रखकर खेला। उन्होंने अच्छी तरह से अनुकूलन किया।''

सुविचार

जो इंसान खुद के लिए जीता है, उसका एक दिन मरण होता है, पर जो इंसान दूसरों के लिए जीता है, उसका हमेशा स्मरण होता है।

ट्वीट

प्रदेश की नारी शक्ति के सर्वांगीण उन्नयन की दिशा में हमारी सरकार द्वारा तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती में महिलाओं के लिए आरक्षण की सीमा 30 प्रतिशत से बढ़ाकर 50 प्रतिशत के ऐतिहासिक निर्णय लेने उपरांत मातृशक्ति द्वारा आत्मीय अभिनंदन प्रकट किया गया।

-भजनलाल शर्मा

श्री राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के मुख्य पुरोहित एवं प्रसिद्ध विद्वान आचार्य श्री लक्ष्मीकांत दीक्षित जी के देहावसान का अत्यंत दुःख समाचार मिलना। उनका जाना आध्यात्मिक जगत के लिये अपूरणीय क्षति है।

-अर्जुनराम मेघवाल

कहानी

■ दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261.

यादों में वह दिन

आज भी मुझे वह दिन याद हैं। हालांकि उसमें सुदर्शन फाकिर की गज़ल वाले बचपन का सावन, बारिश का पानी, 'कागज की कश्ती' जैसी कोई बात नहीं है। वह बड़े कठिन और संघर्ष भरे दिन थे। इसका अंदाजा इस बात से लग सकता है कि मेरा हाई स्कूल का रिजल्ट आया भी नहीं था, तभी फर्मान जारी हो गया था-'अब आगे पढ़ाई नहीं हो पाएगी। अपनी रोजी-रोटी का रास्ता खोजो...'

मैंने शहर के 'सुधारक प्रेस' में हेल्पर के तौर पर काम करना शुरू कर दिया था। यहाँ से साप्ताहिक सुलतानपुर 'समाचार पत्र' का प्रकाशन होता था। यह आठ पेज का होता था, जिसके दो पेज कविता, कहानी और लोकरुचि के विषयों वाले लेखों से भरे रहते थे। यहाँ जिले के लेखकों-पत्रकारों का खूब आना जाना था। इनसे मेलजोल के फलस्वरूप मेरे अन्दर भी पढ़ने-लिखने का एक आवेग बनने लगा था। प्रेस के बुजुर्ग मालिक बलराम वैद्य भले व्यक्ति थे और समाज में ऊंचा स्थान रखते थे। उनके बड़े बेटे का विवाह हमारे पड़ोसी गाँव के ब्राह्मण परिवार में हुआ था। इसलिए वैद्यजी के यहाँ मेरा रिश्तेदारी के लड़के जैसा मान-सम्मान था।

यहाँ काम करते हुए ही मेरा दसवीं का रिजल्ट आया था। वैद्यजी मेरा अंकपत्र देखकर खुश हुए थे और व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया था। तीन महीने के अन्दर मैंने कम्पोजिंग सीख ली थी, ट्रेडिल मशीन का फार्मा कस के छपाई भी करने लगा था। मेरी काम करने स्पीड भी ठीक थी। इसे देखते हुए वैद्यजी ने कहा था-'अब तुम्हारे हाथ में हुनर आ गया है। खुद दिमाग गलत दिशा में न लगाए, तो आगे निकलते चले जाओगे।'

बाद में उन्होंने स्वयं पैसा लगाकर मेरा इंटरमीडिएट का फार्म भरवाया था। 'सुलतानपुर समाचार पत्र' मे मेरे लेख छपते रहते थे किन्तु, इन्हीं दिनों मेरी एक कहानी 'नीहारिका'में प्रकाशित हुई। हालांकि यह देखने के लिए बलराम वैद्य जी नहीं बचे थे। अचानक उनकी तबियत बिगड़ी थी और सिर्फ तीन सौ मीटर की दूर जिला अस्पताल पहुंचते ही उनकी काया निर्जीव हो चुकी थी। उनका जाना मेरे लिए बड़ा आघात था, जबकि उनके परिवार वालों के लिए परम दुर्भाग्य का निमित्त...!

इलाहाबाद यानी आज के प्रयागराज, पैतृक गाँव सोनारी और सुलतानपुर शहर में उनकी प्रचुर संपत्ति थी। इसकी छीना-झपटी में उनके लड़के लोग ऐसे पागल हुए कि प्रेस और अखबार की ऐसी-तैसी हो गई। मैं घर बैठ गया।

तभी मुझे एक पोस्ट कार्ड मिला। शहर से बृजेन्द्र श्रीवास्तव ने भेजा था। उन्होंने 'नीहारिका' में छपी मेरी कहानी की प्रशंसा की थी, साथ ही यह भी लिखा था कि सुलतानपुर आने पर रुद्रनगर में उनके 'जन भारती' कार्यालय में मिलूँ। वह मुझे नहीं जानते थे, मगर मैं उनके प्रेस, अखबार और उन्हें जानता था। लड़कियों जैसे फेस कट के दुबले-पतले नगर के खूब लंबे व्यक्तियों में एक थे। मैं अगले ही दिन जन भारती' कार्यालय जाकर उनको सलाम ठोंका-'भइया प्रणाम !'

मैंने उनका पोस्ट कार्ड दिखाया। वह तत्काल बोले-'तो यह आप हैं ? अभी कर क्या रहे हैं ?'

मैंने सारी स्थिति बयान कर दी। उन्होंने मुझे समझाया-'फिर ऐसा करो, आज से ही तुम मेरे यहाँ आ जाओ। अपना अखबार है, लिखना-पढ़ना। तुम्हारी शिक्षा भी चल जाएगी, चार पैसे भी हाथ आएंगे...'

मुझे काम की जरूरत थी, वह मिल रहा था। फिर ना-नुकुर का क्या मतलब! मैंने कहा-'ठीक भइया, सोमवार से आ जाता हूँ। मुझे लगता है, आज शनिवार से शुरुआत ठीक नहीं रहेगी।'

बृजेन्द्र भइया के पास पैसा नहीं था, लेकिन अपने साप्ताहिक को 'दिनमान' बनाने का सपना और जुनून दोनों था। उनके साथ मेरी अच्छी जमी। यहीं रहते हुए मेरा इंटरमीडिएट पूरा हुआ। मैट्रिक और इन्टर में मेरे मार्क्स अच्छे थे। इस मेरिट के आधार पर मेरा बी.टी.सी. की ट्रेनिंग के लिए चयन हो गया। यह ट्रेनिंग पूरी करने के बाद मुझे प्राथमिक शिक्षा में अध्यापक हो जाना था। बृजेन्द्र भइया के प्रेस में काम करते हुए मेरी ट्रीनिंग भी सम्पन्न हो गई। मगर जीवन में सब सीधा-सपाट नहीं चलता। यहाँ भी ऐसा ही हुआ। हम अध्यापक नियुक्त होने की राह देख रहे थे, तभी 25 जून 1975 में इमरजेंसी लग गई। बृजेन्द्र भइया मीसा में जेल चले गए।

वह ही नहीं, जिले के सारे विपक्षी पार्टियों के नेता और तनकर चलने वाले पत्रकार डी.आइ.आर. या मीसा में अन्दर हो चुके थे। फिजा में दहशत और सनसनी का बोलबाला था। मेरे पिताजी ने समझाया-'तुम जालंधर चले जाओ। लाला जगत नारायण और मैं भारत छोड़ो आंदोलन के समय साथ-साथ जेल काट चुके हैं। करीब पन्द्रह दिन पहले उनको तुम्हारी नौकरी के लिए लिखा था। जवाब आया था, बोले हैं पंजाब केसरी' में रख लेंगे।'

मैंने जालंधर का टिकट कटा लिया किन्तु, वहाँ पहुँचने पर पता चला कि लालाजी पच्चीस जून को ही जेल जा चुके थे। मेरी मुलाकात रमेश चंदर से हुई। मेरा मामला उनके संज्ञान में था। उन्होंने बड़े भाई जैसा फर्ज निभाया। नृपेन्द्र परमार को मेरे लिए शिफारिसी चिट्ठी लिखी और कहा-'पाई, तू चंडीगढ़ चला जा। अठाई सेक्टर बिच नेशनल लेजेंड' का दफ्तर है। उनको इक आलराउंडर की जरूरत है। उधर तेरा काम हो जाएगा। हमारे अखबार का कल क्या हो, कोई ठिकाना नहीं !'

मैं वहाँ से निकलने लगा तो सौ की एक नोट भी उन्होंने मेरी पॉकेट में डाल दिया था। 'नेशनल लेजेंड' के सम्पादक नृपेन्द्र परमार भाई मुझसे तीन-चार साल बड़े यानी तेईस-चौबीस साल के खूब गोरे-चिट्टे व्यक्ति थे। पहली नजर में कुछ मसखरे से चंचल और बातूनी व्यक्ति लगते थे। दो-चार औपचारिक सवालों के बाद उन्होंने संतोषजनक वेतन पर मेरी नियुक्ति कर ली। फिर बोले-'यह बताओ, तुम्हारा रहने का क्या होगा ?'

जैसे आपने नौकरी दे दी, वैसे ही रहने का भी जुगाड़ बन जाएगा।'-मैंने बेफिक्री से जवाब दिया था।

वह मुस्कराते हुए बोले-'तुम्हारा जवाब पसंद आया। सामने सड़क से दाहिनी तरफ डेढ़ सौ मीटर पर होटल है। मुझे बताकर खाना खा लेना। शाम को छह बजे यहीं मिलना, अभी मैं जरूरी काम से निकल रहा हूँ।'

इसके बाद वे अपनी वेस्पा लेकर कहीं निकल गए थे। भोजन मैंने सत्रह सेक्टर के बस स्टैंड पर ग्यारह बजे पहुंचते ही कर लिया था। अभी अपराह्न चार बजे का समय था। न यह खाने का समय था, न मेरा मन ही खा। हाँ, अब मुझे यहाँ रह के काम करना था। इसलिए आसपास की लोकेशन पर नजर डालने के लिए मैं प्रेस परिसर से बाहर आ गया। इसके बगल में एक मंदिर था। मैं अन्दर चला गया। बड़ी गंदगी थी, लग रहा था कि चार-पाँच दिन से सफाई नहीं हुई थी। तखत पर लम्बी काया के वृद्ध पुजारी पंखे की हवा में लेटे थे। मैंने आगे बढ़कर उनका चरण स्पर्श किया-'बाबाजी, प्रणाम...!'

उन्होंने लाल-लाल आँखें खोली। आशीर्वाद दिया। मेरे विषय में यह जानकर कि मैं पूर्वी उत्तर प्रदेश से हूँ, वह प्रसन्न हुए। बोले-'मुझे भी लगा, कोई अपने इलाके का है। यहाँ वाले तो खैरियत पूछने के लिए भी लाठी जैसा मारते हैं-ओ'ए पुजारी, की हो रिया है ?'

वह वाराणसी के थे। बीस साल पहले पुलिस महकमे में डीएसपी थे। रिटायरमेंट के बाद एक धार्मिक ट्रस्ट का काम देखने लगे। पिछले दो साल से ट्रस्ट के इस मंदिर के पुजारी हैं। इन दिनों ज्वरग्रस्त थे। उन्होंने मुझसे स्टोव जलवा के चाय बनवाया। खुद तो लिए ही, मुझे जबरदस्ती करके दिया। चाय के बाद सहज आवेगवश मैंने मंदिर की सफाई कर दिया। स्नान और धूपबत्ती किया। पुजारी खुश होकर तत्काल मेरी एक समस्या का समाधान कर दिये। बोले-'ठाकुर बेटा, चाहो तो हमारे साथ मंदिर की किसी कोठरी में रह सकते हो। मुझे भी सहारा हो जाएगा...'

थोड़ी देर बाद परमार से मुलाकात हुई। मैंने उन्हें अपने आवास की व्यवस्था के विषय में अवगत करा दिया। उनका मत था-'तुममें जैसी तेजी मैं देख रहा हूँ, उससे लग रहा है कि अखबार के लिए तुम अच्छे आलराउंडर साबित होंगे। एक बात और बताओ, क्या अंग्रेजी के लेखों का हिन्दी तर्जुमा कर सकते हो।'

मैंने बताया-'एकदम क्लोजेस्ट तो नहीं, मगर मोटे तौर पर कर लेता हूँ...!'

'मिस्टर सिंह, नेशनल लीजेंड इस जस्ट अ टैबलायड, इट इज नाट अ स्टैंडर्ड सब्जेक्टिव जर्नल। सो व्हाट एवर यू विल डू, वुड वी एनफ ऐज आकॉर्ड ऑफ न्यूज पेपर ! ओके...चलो इस खुशी में अपनी पत्नी के हाथ का बना डिनर कराता हूँ। सबेरे वापसी में हल्की-फुलकी दरी चादर का इंतजाम भी घर से ही करा दूंगा।...'-वह उत्साह से लवरेज बोलते चले गये।

वह रात मैंने उनके फ्लैट पर बिताई। उनकी पत्नी थोड़ी साँवली जरूर थीं, लेकिन निहायत खूबसूरत और गरिमापूर्ण थीं। डिनर के समय मेरी निगाह बार-बार उनकी तरफ चली जाती थी। अचानक नृपेन्द्र ने कहा-'ओ यूपी के राजपूत, तू बार-बार मेरी पत्नी को क्यूँ ताक रहा है...?'

मेरे ऊपर घड़ों पानी पड़ गया। शर्म और ग्लानि से मैं जड़ होने की स्थिति में आ गया था। तभी मन में सरस्वती का जागरण हुआ और मैं उबर गया। मेरे चेहरे की असहजता अचानक तिरोहित हो गई। हल्की मुस्कान के साथ मैंने कहा-'नृपेन्द्र भइया, क्या बताएं ? आप विश्वास करेंगे भी या नहीं, लेकिन असलियत यह है कि मेरी एक दीदी हैं, मौसी की लड़की शालिनी राठौड़, उनको और इन दीदी को साथ खड़ा कर देने पर यही लगेगा कि दोनों जुड़वा बहनें हैं...'

'क्या नाम बताए भैया, शालिनी राठौड़ ! मेरा भी मूल नाम यही है। शादी के बाद लड़कियों का गोत्र नाम बदल जाता है। इसलिए अब शालिनी परमार हूँ...!'-उनकी आवाज में खुशी और ताज्जुब की अजीब सी खनक थी।

मैंने मन ही मन इस तरह का संयोग बनने के लिए माँ सरस्वती का आभार व्यक्त किया। भोजन समाप्त कर बेसिन में हाथ धुलने के बाद सबसे पहले शालिनी का चरण स्पर्श किया-'दीदी, प्रणाम !'

सदा खुश रहो !-उन्होंने आशीर्वाद दिया था।

यह दीदी और भैया का यह रिश्ता खूब चला। सोमवार से शनिवार के बीच मैं मंदिर में रहता था। रविवार को वह कोई न कोई स्पेशल रसोईं करतीं और मुझे अपने फ्लैट पर आमंत्रित करती थीं। मैं 'नेशनल लेजेंड' में ढाई साल रहा, बीच में तीन बार गाँव आया था। वापसी में उनके लिए चावल के आंटे, बेसन और तिल के तीन तरह के लड्डू तथा पोपरा (सोंठ मेवा मिक्स गुड़) लेकर गया था।

वक्त बीता। राजनीतिक हलचलों के बीच कांग्रेस (आई) की चुनाव में पराजय हुई। इंदिराजी स्वयं हार गईं। जनता पार्टी की सरकार बनी, हमारी नियुक्तियों का सिलसिला शुरू हुआ। मेरे घर से तार गया-'कम सून। अपॉइंटमेंट इज अवाउट टू हैप्पन।'

मुझे याद है, जिस दिन मुझे घर के लिए निकलना था, शालिनी दीदी बड़ी दुखी लग रही थीं। छोटे भाई को अपने घर से विदा करने की जो लोक रीत प्रचलित है-कपड़ा, पैसा, रास्ते का खाना वगैरह देने की, दीदी ने सब कुछ किया था। नृपेन्द्र ने नई फिएट खरीदी थी। उस पर मुझे स्टेशन छोड़ने ले गए थे। एसी में रिजर्वेशन कराए थे। यहाँ तक कि ढाई साल में पहली बार मैंने उनके चेहरे पर गंभीरता की गहरी परत देखी थी।

बाद में हम लंबे समय तक चिट्ठी-पत्री से एक दूसरे की खोज-खबर लेते रहे...क्या समय था और कैसे-कैसे लोग थे...आज भी याद आते हैं...!

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

साधो देखो जग बौराना

मैं कल कबीर जयंती थी। यूँ कहें तो कबीर याने फक्कड़ फ़कीर, यूँ समझें तो कबीर याने दुनिया भर का अमीर। वस्तुत: कबीर को समझने के लिए पहले आवश्यक है यह समझना कि वस्तुतः हमें किसे समझना है। पाँच सौ साल पहले निर्वाण पाए एक व्यक्ति को या कबीर होने की प्रक्रिया को? दहन किये गए या दफ़्न किये गए या विलुप्त हो गये दैहिक कबीर को पाँच सदी की लम्बी अवधि बीत गई। अलबत्ता आत्मिक कबीर को समझने के लिए यह समयावधि बहुत कम है।

प्रश्न तो यह भी है कि कबीर को क्यों समझें हम? छोटे मनुष्य की छोटी सोच है कि कबीर से हमें क्या हासिल होगा? कबीर क्या देगा हमें? कबीर जयंती पर इस प्रश्न का स्वार्थ अधिक गहरा जाता है।

कबीर को समझने में सबसे बड़ा ऑब्सटेकल या बाधा है कबीर से कुछ पाने की उम्मीद। कबीर भौतिक रूप से कुछ नहीं देगा बल्कि जो है तुम्हारे पास, उसे भी छीन लेगा। पाने नहीं छोड़ने के लिए तैयार हो तो कबीर आत्मिक रूप से तुम्हें मालामाल कर देगा। आत्मिक रूप से मालामाल कर देने का एक अर्थ कबीर का ज्ञानी, पंडित, आचार्य, मौलाना, फादर या प्रीस्ट होना भी है। इन सारी धारणाओं का खंडन खुद कबीर ने किया, यह कहकर,

'मसि कागद छूयौ नहिं, कलम नहिं गहि हाथ।
कबीर दीक्षित है, शिक्षित नहीं।

कबीर अंगूठाछाप है। ऐसा निरक्षर जिसके पास अक्षर का अकूत भंडार है। कबीर कुछ सिखाता नहीं। अनसीखे में बसी सीख, अनगढ़ में छुपे शिल्प को देखने-समझने की आँख है कबीर। हासिल होना कबीर होना नहीं है, हासिल को तजना कबीर है। भरना पाखंड है, रीत जाना आनंद है। पाना रश्क है, खोना इश्क है,

हमन से इश्क मस्ताना, हमन को होशियारी क्या रहे।
आज़ाद या जग से, हमन को दुनिया से यारी क्या।

और जब इश्क या प्रेम हो जाए तो अनसीखा आत्मिक पांडित्य तो जगेगा ही,

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय।
ढाई आखर प्रेम का, पढ़ै सो पंडित होय।

कबीर सहज उपलब्ध है। कबीर होने के लिए, उसकी संगत काफी है। ओशो ने सहक्रमिकता के सिद्धांत या लॉ ऑफ सिंक्रोनिसिटी का उल्लेख कबीर के संदर्भ में किया है। किसी वाद्य के दो नग मंगाये जाएँ। कमरे के किसी कोने में एक रख दिया जाए। दूसरे को संगीत में डूबा हुआ संगीतज्ञ (ध्यान रहे, 'डूबा हुआ' कहा है, 'सीखा हुआ' नहीं) बजाए। सिंक्रोनिसिटी के प्रभाव से कोने में रखा वाद्य भी कसमसाने लगता है। उसके तार अपने आप कसने लगते हैं और वही धुन स्पंदित होने लगती है।

कबीर का सान्निध्य भीतर के वाद्य को स्पंदित करता है। भीतर का स्पंदन मनुष्य में मानुषता का सोया भाव जाग्रत कर देता है। जाग्रत अवस्था का मनुष्य, सच्चा मनुष्य हो जाता है और बरबस कह उठता है,

साँची कहौ तो मारन धावै झूँठे जग पतियाना।
साधो, देखो जग बौराना।

बोध कथा

राजा और पंडित

एक समय की बात है, गौंतूर नाम के एक गांव में एक पंडित जी रहा करते थे। उन्होंने एक साहूकार के पास 500 रुपये यह सोचकर जमा करा दिए कि जब उनकी बेटी की शादी होगी, तो ये पैसे उनके काम आएंगे। देखते ही देखते समय निकलता गया और बेटी शादी योग्य हो गई। पंडित जी ने अपनी बेटी के लिए योग्य वर देखना शुरू कर दिया। उन्हें अपनी पुत्री के लिए एक लड़का पसंद भी आया, जिसके बाद पंडित जी साहूकार के पास अपने पैसे लेने गए। साहूकार ने उन्हें पैसे देने से इंकार करते हुए कहा- मेरे पास आपने कोई पैसे जमा नहीं कराए। आपके पास क्या सबूत है कि आपने मेरे पास पैसे रखे थे। क्या आपके पास उसका कोई लिखित प्रमाण है?

साहूकार की ये बातें सुनकर पंडित जी परेशान हो जाते हैं और वे समझ जाते हैं कि साहूकार ने उनके पैसे हड़प लिए हैं। एक दिन पंडित जी मंदिर से घर लौट रहे थे तभी उनके दिमाग में विचार आया कि उन्हें उस साहूकार की शिकायत राजा से करनी चाहिए। हो सकता है राजा इस परेशानी का कोई हल निकाल दें।

पंडित जी बिना देरी किए राजा से मिलने के लिए पहुंच गए और वहां जाकर उन्होंने अपनी परेशानी राजा के सामने रखी। पंडित जी की बात सुनकर राजा ने कहा कि कल नगर के लिए हमारी सवारी निकलेगी, तुम उस समय उस साहूकार की दुकान के सामने जाकर खड़े हो जाना। राजा की बात सुनकर पंडित जी अपना झोला उठाकर घर को निकल गए। अगले दिन राजा की सवारी निकली। नगरवासियों ने उन्हें फूलों की माला पहनाई व आरती उतारी। पंडित जी राजा के कहे अनुसार उस दुकान के सामने खड़े हो गए। राजा की सवारी साहूकार की दुकान के सामने आई, तो राजा ने पंडित जी को देखाकर प्रणाम किया और उनसे कहा कि आप यहां क्या कर रहे हैं। आप हमारे गुरू हैं, आप हमारे साथ बग्घी में चलिए। पंडित के बग्घी में बैठने के बाद साहूकार ने राजा की पूजा की और उन्हें फूलों की माला पहनाई।

उसके बाद राजा की बग्घी आगे बढ़ गई। पंडित जी को कुछ दूर आगे जाने के बाद राजा ने बग्घी से उतार दिया और बोला कि मैंने अपना काम कर दिया है। अब आगे देखों क्या होता है। पंडित और राजा के संबंध को देखकर साहूकार सोच में पड़ गया और उसे घबराहट होने लगी कि कही पंडित उसकी शिकायत राजा से न कर दे। वह घर जाकर रात भर सो नहीं पाया।

सुबह दुकान पर जाकर सबसे पहले साहूकार ने अपने मुनीम को पंडित जी को सह सम्मान दुकान में लाने के लिए कहा। मुनीम पंडित जी को ढूंढने निकल गया। कुछ देर बात पंडित जी उसे नगर में एक पेड़ की छाव में आराम करते हुए नजर आए। मुनीम ने पंडित जी को कहा कि साहूकार ने उनको दुकान में लेकर आने के लिए भेजा है। मुनीम, पंडित जी को सम्मान के साथ दुकान लेकर जाता है। साहूकार पंडिज जी को आदर सम्मान के साथ बिठाते हुए कहता है- मैंने पुराने खाते की अच्छी तरह जांच की और उसमें आपने मुझे पांच सौ रुपए दिए थे, इसकी जानकारी मिली है। यह पैसा पीछे दस सालों से मेरे पास जमा है, जिस वजह से इसका ब्याज मिलाकर यह बारह हजार पांच सौ रुपए हो गए हैं। फिर साहूकार उन्हें तेरह हजार पांच सौ रुपए देता हुए कहता है कि आपकी बेटी मेरी भी बेटी की तरह है, तो ये एक हजार रुपए मेरी तरफ से उसकी शादी के लिए हैं। साहूकार ने पंडित जी को तेरह हजार पांच सौ रुपए देकर बड़े ही प्रेम के साथ विदा किया। इस तरह पंडित जी को उनके अपने पैसों के साथ ही उसका ब्याज और शादी के लिए साहूकार की तरफ से एक हजार रुपये अतिरिक्त मिल गए।

वीर गाथा

भीम बहादुर थापा: लक्ष्य तक पहुंचने के लिए बढ़ाते रहे हौसला, 21 बलिदानियों में हुए शामिल

पैराट्रूपर भीम बहादुर थापा का जन्म नेपाल के धीरकोट जिले के मोचा बारी गांव में हुआ था। वे अपनी प्रारंभिक शिक्षा के बाद सेना में भर्ती हो गए थे। उन्हें भारतीय सेना की पैराशूट रेजिमेंट में शामिल किया गया था। बाद में उन्हें 4 पैरा (एसएफ) में भेजा गया।

साल 1971 में भारत-पाक युद्ध हुआ था, जो 16 दिसंबर को बांग्लादेश की स्वतंत्रता और हमारी निर्णायक विजय के साथ समाप्त हुआ था। इससे बौखलाए पाकिस्तान ने राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में स्थित नागी गांव के एक टीले पर कब्ज़े का दुस्साहस किया था।

दरअसल पाकिस्तानी फौजी अधिकारियों को अपने मुल्क में खूब शर्मिंदगी उठानी पड़ रही थी। लिहाजा वे ऐसा कदम उठाना चाहते थे, जिससे वहां उनकी खूब वाहवाही हो। इधर, पाकिस्तानी हरकत की सूचना मिलते ही भारतीय सेना को आदेश दिया गया कि वह दुश्मन को मार भगाए।

27 दिसंबर को जवाबी हमला होना था। थापा भी उस टीम में शामिल थे। देर रात 4 पैरा की सी कंपनी ने जोरदार हमला बोला। भारी हथियारों से लैस दुश्मन ने भी भारतीय जवानों की ओर अंधाधुंध गोलाबारी की।

भारतीय जवानों ने इसका दृढ़ता से सामना किया और लक्ष्य की ओर बढ़े। अब भारतीय सेना ने भी तोपखाने से जोरदार जवाब देना शुरू कर दिया था। वहीं, इंजीनियर्स कोर के विशेषज्ञों ने बारूदी सुरंगों का पता लगाकर उन्हें निष्क्रिय कर दिया।

थापा अपने जवानों का हौसला बढ़ा रहे थे। वे जल्द लक्ष्य तक पहुंचकर वहां तिरंगा फहराना चाहते थे। उनकी सैन्य सूझबूझ के कारण पाकिस्तान के कई फौजी ढेर हो गए थे। आखिरकार 28 दिसंबर को सुबह 6 बजे उस इलाके पर भारतीय सेना का फिर से कब्जा हो गया। इस लक्ष्य को प्राप्त करने में भारत के 21 वीरों ने बलिदान दिया, जिनमें भीम बहादुर थापा भी शामिल थे। हम समस्त देशवासी पैराट्रूपर भीम बहादुर थापा और उन बलिदानी जवानों को नमन करते हैं।

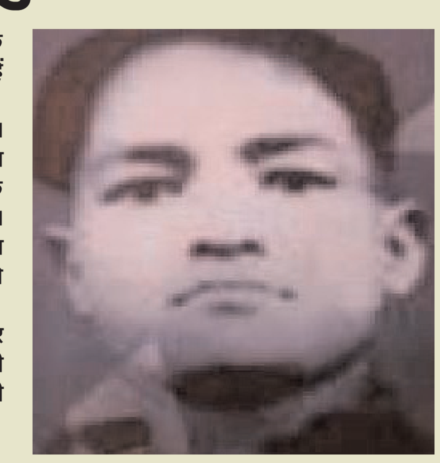

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता। – दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर विशेष

‘मैं तब तक योग सिखाती रहूंगी, जब तक मेरी सांसें चलेंगी’

ताओ पोर्चोन-लिंच ने योगाभ्यास से पाई थी दीर्घायु
101 साल तक जीवित रहकर दिया था योग का दिव्य संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। हमारे देश की सांस्कृतिक-आध्यात्मिक परंपराओं में अपने प्रियजन के लिए दीर्घायु या शतायु होने की कामना करने का विशेष महत्त्व है। योगशास्त्र के इतिहास में तो ऐसे अनेक योगियों का उल्लेख मिलता है, जिन्होंने सौ साल से ज्यादा उम्र पाई थी। ताओ पोर्चोन-लिंच भी एक प्रख्यात योगी थीं, जिन्होंने उम्र का शतक लगाया था। उन्होंने इस संसार में 101 साल तक जीवित रहकर यह संदेश दिया कि प्रकृति के अनुकूल जीवन और योगाभ्यास से दीर्घायु की प्राप्ति हो सकती है।

पोर्चोन का जन्म 13 अगस्त, 1918 को इंग्लिश चैनल के बीच एक जहाज पर हुआ था। उनके पिता फ्रांस से थे, जबकि मां भारत के मणिपुर से थीं। जब पोर्चोन सात महीने की थीं, उनकी मां की मृत्यु हो गई। उसके बाद उनका पालन-पोषण चाची और चाचा ने किया था। उनके चाचा रेलमार्ग डिजाइन करते थे, जो उन्हें कई देशों की यात्राओं पर साथ लेकर जाते थे। उस परिवार के पास फ्रांस में अंगूर के बाग थे।

पोर्चोन ने आठ साल की उम्र में भारत में पुडुचेरी के समुद्र तट पर युवाओं के एक समूह को योगाभ्यास करते देखा था। यह पहली घटना थी, जब पोर्चोन की योग में रुचि पैदा हुई। उनकी चाची का कहना था कि योग मुख्यतः पुरुषों के लिए है। हालांकि पोर्चोन ने उनकी सलाह के विपरीत योगाभ्यास में रुचि लेनी शुरू कर दी थी। वे धीरे-धीरे इसमें निपुण होती गईं। उन्होंने महात्मा गांधी के साथ दो अलग-अलग मौकों पर मार्च भी किया था। पोर्चोन अभिनय के क्षेत्र में कार्यरत थीं, लेकिन विवाह के बाद इसे छोड़ दिया और अपना जीवन योग को समर्पित कर दिया। उन्होंने महर्षि अरविंद और इंद्रा देवी से भी योग की शिक्षा प्राप्त की थी। जैक लालेन, जो अमेरिका में फिटनेस के गॉडफादर और पोषण गुरु माने जाते थे, ने उनसे योगाभ्यास सीखा था। पोर्चोन साल 1976 में योग शिक्षक गठबंधन की संस्थापकों में से एक बनीं, जो अब योग शिक्षक संघ के रूप में जाना जाता है। उन्होंने न्यूयॉर्क में योगाभ्यास सिखाना शुरू किया और साल 1982 में वेस्टचेस्टर इंस्टीट्यूट ऑफ योगा की स्थापना की।

वे उम्र बढ़ने के बावजूद पूरी तरह सक्रिय रहीं। उनका यह कहना प्रसिद्ध है- ’मैं तब तक योग सिखाती रहूंगी, जब तक मेरी सांसें चलेंगी।’ उन्हें मई 2012 में बर्नीस बेट्स से विश्व की सबसे बुजुर्ग योग शिक्षिका का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड का खिताब मिला था। उन्होंने ’रिफ्लेक्शंस: द योगिक जर्नी ऑफ लाइफ’ पुस्तक लिखी थी। उन्होंने स्वस्थ जीवन का रहस्य बताते हुए कहा था, ’जब मैं सुबह उठती हूं तो सूरज की ओर देखती हूं और कहती हूं- ’यह मेरे जीवन का सबसे अच्छा दिन होगा’ और ऐसा ही होगा। यह हमेशा होता है। ... सांस हमें सिखाती है - इसे सुनें। अपने फेफड़ों को बाहर की ओर फैलते हुए महसूस करें, अपने हा

थों को छत की ओर, ऊपर की ओर खींचें और वहां ऊर्जा को महसूस करें। जीवन की सांस अंदर लें और शांति की सांस बाहर छोड़ें।’ पोर्चोन को योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए साल 2019 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया था। वे 21 फरवरी, 2020 को भौतिक देह त्याग कर ब्रह्मलीन हो गईं।

पुराने दर्द को दूर करने में भी योगाभ्यास बड़ा असरदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योग का उद्देश्य क्या है? हर योगाभ्यासी के लिए इसका उत्तर अलग-अलग हो सकता है। अमेरिका के कैलिफोर्निया में पारिवारिक चिकित्सक और कुंडलिनी योग प्रशिक्षक नताली नेविंस का कहना है कि योग का उद्देश्य मन और शरीर दोनों में शक्ति, जागरूकता और सामंजस्य का निर्माण करना है।

डॉ. नेविंस कहती हैं, ’एक चिकित्सक के रूप में, मैं निवारक दवा के अलावा अभ्यासों और शरीर की खुद को ठीक करने की क्षमता पर अपना सारा ध्यान केंद्रित करती हूं।’

वे बताती हैं कि योग स्वस्थ रहने के लिए एक बेहतरीन माध्यम है, क्योंकि यह वैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित है। उनके अनुसार, ’योग में शामिल विश्राम तकनीकें पुराने दर्द, जैसे- पीठ के निचले हिस्से में दर्द, गठिया, सिरदर्द और कार्पल टनल सिंड्रोम को कम कर सकती हैं।’ वे बताती हैं कि योग रक्तचाप और निद्रा से संबंधित समस्याओं को भी कम कर सकता है। डॉ. नेविंस ने अपने अनुभव से पाया कि नियमित योगाभ्यास हमें ये फायदे देता है-

- लचीलापन बढ़ाता है।
- मांसपेशियों की ताकत बढ़ाता है।
- श्वसन, ऊर्जा और जीवन शक्ति में सुधार लाता है।
- संतुलित चयापचय बनाए रखने में मददगार है।
- योगाभ्यास वजन घटाने में असरदार है।
- कार्डियो और रक्त संचार के संबंध में लाभदायक है।
- खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार ला सकता है।
- चोट लगने पर शीघ्र स्वास्थ्य-लाभ को संभव बनाता है।

योग ने इस गांव की गरीबी कर दी दूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। योग शरीर को निरोग रखने के साथ ही गरीबी निवारण में बहुत असरदार साबित हो सकता है। जी हां, एक गांव में ऐसा प्रयोग किया गया, जो बहुत सफल रहा है। पड़ोसी देश चीन, जिसका सरकारी रवैया तो भारत के खिलाफ रहा है, लेकिन वह अपने फायदे के लिए योग का भरपूर इस्तेमाल कर रहा है। आज उसके एक गांव को देखने के लिए देश-विदेश से लोग आ रहे हैं, जिससे ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है। इस गांव को योगियों का गांव कहा जाने लगा है। योग भारत से चीन पहुंचा, जहां दूर-दराज के गांवों के लोग इसकी शक्ति से स्वस्थ और संपन्न हो रहे हैं। अगर हम भी योग के लिए समर्पण दिखाएं तो बीमारी, बेरोजगारी, गरीबी समेत कई समस्याएं दूर कर सकते हैं।

उत्तरी चीन के एक इस पहाड़ी गांव में चाहे धूप हो या बारिश, लोगों का एक समूह हर दिन योग का अभ्यास करने के लिए चौराहे पर इकट्ठा होता है। यह हेबेई प्रांत के गांव युगोलियांग का एक दृश्य है। लगातार योगाभ्यास के माध्यम से इन ग्रामीणों ने न केवल अपना शारीरिक लचीलापन और मनोबल बढ़ाया है, बल्कि गरीबी पर काबू पाने और समृद्धि पाने का एक अनूठा मार्ग भी खोज लिया है। युगोलियांग गांव दूर-दराज के इलाके में स्थित है और यहां केवल 100 स्थायी निवासी हैं, जिनमें कई बुजुर्ग हैं। पहले यहां लोग काफी कमजोर थे। वे अक्सर बीमार रहते थे। एक बार गरीबी उन्मूलन अधिकारी लू वेनझेन ने उन्हें योगाभ्यास के बारे में जानकारी दी। शुरुआत में, लू ने यहां के खेतों में उगाए गए आलू को सोशल मीडिया पर बेचने में निवासियों की मदद की। चूंकि गरीबी दूर करने के लिए एक अभिनव तरीके की जरूरत थी। ऐसे में लू को एहसास हुआ कि योग इसका एक हिस्सा हो सकता है। कुछ समय तक योग का अभ्यास करने के बाद यहां के निवासियों ने

स्वयं को अधिक ऊर्जावान और अपने खेती के कार्यों में अधिक कुशल पाया। इससे उन्हें कई फायदे भी हुए। उनके स्वास्थ्य में सुधार के कारण चिकित्सा खर्च कम हो गया। गांव की बढ़ती प्रतिष्ठा के कारण पर्यटक यहां आने लगे हैं। वे लोगों से सामान खरीदते हैं, जिससे ग्रामीणों की कमाई बढ़ रही है। साल 2017 में इसे ’योग गांव’ का खिताब दिया गया था। हमारे ऋषियों-मुनियों के इस दिव्य ज्ञान का उपयोग हम अपने गांवों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए कब करेंगे?

तन और मन में संतुलन लाता है अनुलोम-विलोम

शरीर के कई रोग दूर होते हैं, मन को शांति मिलती है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अनुलोम-विलोम को सबसे सरल प्राणायाम माना जाता है। इसे हर उम्र के योगाभ्यासी कर सकते हैं। यह तन और मन में संतुलन लाता है। इससे शरीर के कई रोग दूर होते हैं, वहीं मन को शांति मिलती है। अनुलोम-विलोम करने से नाड़ियों का शोधन होता है। इससे व्यक्ति श्वास संबंधी रोगों, कब्ज, अनिद्रा, अत्यधिक थकान आदि से राहत पाता है। कई योगाभ्यासियों ने पाया है कि अपनी दिनचर्या और खानपान में सुधार करने के साथ अनुलोम-विलोम किया जाए तो मधुमेह में काफी आराम मिलता है। इससे पेट की अनावश्यक चर्बी दूर होती है।

कैसे करें अनुलोम-विलोम?

- सबसे पहले ध्यान मुद्रा में बैठ जाएं।
- अब बाएं हाथ से ज्ञान मुद्रा बनाएं।
- दाएं हाथ के अंगूठे से दाईं नासिका को बंद करें और बाईं नासिका से धीरे-धीरे सांस अंदर खींचें।
- सांस अंदर भरें तब पेट फुलाएं और फिर छाती फुलाएं।
- कुछ क्षण बाद बाईं नासिका बंद करें और दाईं नासिका से सांस छोड़ें।
- इस दौरान छाती से हवा बाहर आएगी। उसके बाद पेट अंदर जाएगा।
- अब आगे इसी प्रक्रिया को दोहराएं।

ये रखें सावधानियां

- सांस लेते और छोड़ते समय आवाज़ नहीं होनी चाहिए।
- अभ्यास के दौरान ज्यादा समय तक सांस न रोकें।
- शुरुआत में अनुलोम-विलोम का अभ्यास पांच मिनट तक करें। बाद में इसे दस मिनट तक कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम सुबह खाली पेट करना लाभदायक होता है।
- जल्दबाजी में अभ्यास नहीं करना चाहिए।
- जिन्हें कमजोरी महसूस हो रही है, वे ज्यादा जोर से सांस न खींचें।
- जहां आटा, सीमेंट, धूल या किसी अन्य वस्तु के बारीक कण हवा में उड़ रहे हों, वहां अनुलोम-विलोम न करें।
- जहां वातावरण में धुआं फैला हो, वहां भी इसका अभ्यास नहीं करना चाहिए।

ये होते हैं लाभ

- यह श्वसन तंत्र, हृदय, पाचन तंत्र को लाभ पहुंचाता है।
- इससे शरीर में नई ऊर्जा आती है।
- रक्त परिसंचरण सुधरता है।
- मस्तिष्क के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है।
- यह मधुमेह के रोगियों के लिए वरदान माना जाता है।
- यह प्राणायाम सिरदर्द, चर्म रोग, कमजोर प्रतिरोधक क्षमता में लाभदायक है।
- इसके निरंतर अभ्यास से याददाश्त अच्छी होती है।

‘एग्जिट पोल’ के गलत होने पर प्रदीप गुप्ता ने कहा : उप्र को हल्के में लेना हमें भारी पड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। ‘एक्सिस माई इंडिया’ के प्रमुख प्रदीप गुप्ता ने अपने ‘एग्जिट पोल’ के गलत होने के लिए ‘निर्णय की त्रुटि’ को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि चुनाव के अंतिम तीन चरणों में उत्तर प्रदेश को हल्के में लेना उन्हें भारी पड़ा। गुप्ता ने कहा कि ओडिशा के चुनावों में पूर्व के सर्वेक्षणों के गलत साबित होने की वजह से उन्होंने अपने शीर्ष संसाधनों को उत्तर प्रदेश से हटाकर देश के पूर्वी राज्य (ओडिशा) में लगा दिया था। ‘एक्सिस माई इंडिया’ के ‘एग्जिट पोल’ ने लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले गठबंधन को 361-400 सीट मिलने का अनुमान जताया था, जिसमें उत्तर प्रदेश की कुल 80 में से 67 सीट पर संभावित जीत शामिल थी, लेकिन वास्तविक चुनाव परिणामों में भाजपा को 240 सीट मिलीं और वह अपने दम पर बहुमत के आंकड़े से चूक गई। इसने विपक्षी गठबंधन ‘इंडिया’ को 131-166 सीट मिलने का अनुमान जताया था।

उत्तर प्रदेश भाजपा के लिए सबसे बड़ा उलटफेर वाला राज्य साबित हुआ, जहां उसे सिर्फ 33 सीट मिलीं। गुप्ता ने यहां संपादकों के साथ बातचीत में कहा कि ‘एक्सिस माई इंडिया’ के ‘एग्जिट पोल’ का अनुमान व्यक्त करने का तरीका गलत नहीं हुआ, बल्कि महत्वपूर्ण राज्यों में संसाधनों की तैनाती गलत हुई। उन्होंने कहा, हमारे पास चुनावों का अनुमान व्यक्त करने के लिए एक अचूक पद्धति है... यह हमारी पद्धति नहीं थी, जो गलत हुई। मैंने अपने वरिष्ठ संसाधनों की तैनाती में गलती की और उत्तर प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण राज्यों को हल्के में लिया। ऐसा कहा जाता है कि दिल्ली (केंद्र) में सत्ता का रास्ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। यह एक सबक है कि ‘एग्जिट पोल’ के मामले में कभी भी किसी राज्य को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, हालांकि, राजग (भाजपा-नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) ने सरकार बनाई, लेकिन हमने जो सीट का अनुमान जताया था और भाजपा को वास्तव में मिली सीट की संख्या में बहुत बड़ा अंतर था। हम गलत साबित हुए। तीन राज्य जहां हम बुरी तरह से गलत साबित हुए, वे थे- उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र। गुप्ता ने संसाधनों की तैनाती सहित अपनी गलतियों के बारे में अपने विश्लेषण को स्पष्ट करते हुए कहा, उत्तर प्रदेश के पूर्वी हिस्से में सीट में काफी अंतर था। अस्सी में से 41 सीट पर पांचवें, छठे और सातवें चरण में मतदान हुआ। उसी दौरान हरियाणा और दिल्ली में एक ही चरण में चुनाव हुए, जबकि पंजाब और हिमाचल प्रदेश में सातवें चरण में। उन्होंने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ कि ओडिशा और झारखंड में भी इन चरणों में मतदान हुआ।

गुप्ता ने कहा, आमतौर पर, अन्य राज्यों के चुनाव शुरुआती चरणों में समाप्त हो जाते थे और अंतिम चरण में पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में चुनाव होते थे। दिल्ली में भी राजनीतिक परिदृश्य ऐसा था कि अरविंद केजरीवाल चुनाव से ठीक पहले जेल से बाहर आए थे। आम आदमी पार्टी का प्रभाव भी इन तीन राज्यों में ही होना था। उन्होंने कहा, वर्ष 2019 में, हमने सही अनुमान व्यक्त किया था। हम इस बार ओडिशा को लेकर ज्यादा सावधान थे, ताकि पिछली बार की तरह कोई चूक न हो जाए।

गुप्ता ने कहा कि पिछले चार चुनाव में उत्तर प्रदेश के लिए हमारे अनुमान एकदम सटीक थे और हमने अपने बेहतरीन संसाधनों को उत्तर प्रदेश में नहीं लगाया। पांचवें, छठे और सातवें चरण में भी हमने ऐसा ही किया और यहीं पर मुझसे गलती हुई। उन्होंने कहा, यह निर्णय की त्रुटि थी। पचपन वर्षीय गुप्ता उस वक्त विवादों में घिर गये, जब विपक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने शेयर बाजार को प्रभावित करने के लिए जानबूझकर भाजपा की जीत का अनुमान जताया। ‘एग्जिट पोल’ की घोषणा के बाद शेयर बाजार ने जबरदस्त छलांग लगाई थी और रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया था तथा मतगणना के दिन यह धड़ाम से गिर गया। उन्होंने कहा, विभिन्न राज्यों में पर्यवेक्षकों, प्रशिक्षकों या कोच के रूप में 31 संसाधन भेजे गए, जबकि उत्तर प्रदेश में किसी को नहीं भेजा गया और यहीं पर हमसे गलती हुई। हमने उत्तर प्रदेश के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों को भी बंगाल भेजा था, लेकिन राजनीतिक हिंसा के कारण वहां साक्षात्कार की दर कम थी और इससे फर्क पड़ा।

उन्होंने कहा, वर्ष 2024 के चुनाव हमारे लिए एक सीख हैं कि किसी भी राज्य को हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए, खासकर उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को। गुप्ता ने कहा, चौसठ करोड़ मतदाताओं में से हमने 5.82 लाख मतदाताओं से बात की, जो एक प्रतिनिधित्व करने वाला नमूना आकार है। हमने 3,607 विधानसभा क्षेत्रों और 22,000 से अधिक गांवों को कवर किया। हमारे ऑन-ग्राउंड साक्षात्कारों की निगरानी एक टीम द्वारा की जाती है, किसी भी हेरफेर या पक्षपात की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, सभी ‘एग्जिट पोल’ कंपनियों ने इस बार इसी तरह के दावे किए। हम हमेशा अलग होते हैं, लेकिन इस बार हमने भी उनकी तरह अनुमान व्यक्त किया और यहीं हमने अवसर खो दिया... और यहीं हम गलत हो गए। गुप्ता के हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से लौटने के बाद 2013 से ही ‘एक्सिस माई इंडिया’ ‘एग्जिट पोल’ कर रहा है और उनका दावा है कि 69 में से 65 चुनावों में सही अनुमान जताने का उनका रिकॉर्ड रहा है।

चुनाव के बीच में ही ‘एक्सिस माई इंडिया’ द्वारा किया गया एक कथित सर्वेक्षण लीक हो गया था, जिसमें कहा गया था कि भाजपा के 13 राज्यों में अपनी स्थिति सुधार पाने की कोई संभावना नहीं है और वह पिछली बार जीती गईं कुछ सीट गंवा देगी। गुप्ता ने इस सर्वेक्षण को फर्जी बताकर खारिज कर दिया था। हालांकि, जब नतीजे सामने आए तो वे उस सर्वेक्षण के करीब थे, जिससे संदेह पैदा हुआ।

एअर इंडिया की उड़ान में बम विस्फोट मामले की जांच अब भी जारी है : कनाडा पुलिस

ओटावा। कनाडा की पुलिस ने कहा है कि एअर इंडिया की उड़ान संख्या-182 को बम से उड़ाने की जांच अब भी जारी है। पुलिस ने इसे आतंकवाद के मामले की सबसे लंबी और सबसे जटिल जांच में से एक बताया है। पुलिस ने यह टिप्पणी विमान को बम से उड़ाने के 39 साल पूरे होने से तीन दिन पहले की है। मॉन्ट्रियल-नयी दिल्ली एयर इंडिया ‘कनिष्क’ उड़ान संख्या-182 में 23 जून 1985 को लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे पर उतरने से 45 मिनट पहले विस्फोट हो गया, जिससे विमान में सवार सभी 329 लोग मारे गए थे। इनमें ज्यादातर भारतीय मूल के कनाडाई थे।

यह बम सिख आतंकवादियों ने ‘ऑपरेशन ब्लू स्टार’ के जवाब में रखा था। यह अभियान अमृतसर में स्वर्ण मंदिर को आतंकवादियों से मुक्त कराने के लिए 1984 में चलाया गया था। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के सहायक आयुक्त डेविड टेबौल ने एक बयान में कहा कि बम विस्फोट की यह वारदात देश के इतिहास में कनाडाइयों की जान लेने वाली और उन्हें प्रभावित करने वाली आतंकवाद संबंधी सबसे भयावह घटना है। उन्होंने पीड़ित परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। टेबौल ने कहा कि एअर इंडिया बम विस्फोट मामले की तफ्तीश देश के इतिहास में सबसे लंबी और घरेलू आतंकवाद से संबंधित सबसे जटिल जांच में से एक है। उन्होंने कहा, घटना संबंधी जांच के हमारे प्रयास सक्रिय रूप से जारी हैं।

पश्मीना ने बताया क्यों अपने ताऊ राकेश रोशन से फिल्म में भूमिका देने को नहीं कहा ?

मुंबई। ‘इश्क विश्क रिबाउंड’ से सुनहरे पर्दे पर अपना सफर शुरू कर रहीं पश्मीना रोशन का कहना है कि फिल्म उद्योग में काफी कुछ दांव पर लगा होता है और आप बाहर से हों या उद्योग से ताल्लुक रखते हों इससे खास फर्क नहीं पड़ता, एक नये कलाकार को यह दिखाना होगा कि वह अवसर पाने के काबिल है।

वह रोहित सराफ, जिबरान खान और नैला ग्रेवाल के साथ इस युवा वयस्क रोमांस में अभिनय के रंग बिखेरती नजर आएंगी। यह 2003 में आयी रोमांटिक कॉमेडी ‘इश्क विश्क’ की दूसरी किस्त है, जिसमें शाहिद कपूर, अमृता राव और शेनाज ट्रेजरी ने अभिनय किया था। पश्मीना संगीतकार राजेश रोशन की बेटी और फिल्म निर्माता राकेश रोशन की भतीजी हैं। पश्मीना से जब पूछा गया कि क्या उन्होंने कहो ना प्यार है, क्रिश श्रृंखला जैसी फिल्म के लिए माने जाने वाले उनके ताऊ राकेश रोशन से संपर्क किया, इस पर अभिनेत्री ने कहा कि यह इतना आसान नहीं है।

लॉस एंजिल्स 2024 के इंडियन फिल्म फेस्टिवल के लिए जूरी में शामिल हुईं श्रिया पिलगांवकर

मुंबई/एजेन्सी

एक्ट्रेस श्रिया पिलगांवकर को लॉस एंजिल्स के इंडियन फिल्म फेस्टिवल (आईएफएफएलए) के 2024 एडिशन में शॉर्ट्स कैटेगरी के लिए जूरी पैनल में शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है। श्रिया ने कहा, मुझे लॉस एंजिल्स 2024 के इंडियन फिल्म फेस्टिवल में शॉर्ट्स फिल्म कैटेगरी के लिए जूरी सदस्य के तौर पर आमंत्रित किया गया है। इससे मैं सम्मानित महसूस कर रही हूं। मैं फेस्टिवल में हिस्सा लेने और उभरते साउथ एशियन फिल्ममेकर्स द्वारा इन शानदार शॉर्ट्स फिल्मों को देखने के लिए एक्साइटिड हूं।’’ एक्ट्रेस ने कहा, फिल्म फेस्टिवल का माहौल हमेशा क्रिएटिविटी से भरा होता है। मैं अलग-अलग कहानीकारों और कलाकारों से मिलने और बातचीत करने तथा आईएफएफएलए में फिल्मों की लाइनअप को देखने के लिए बेहद एक्साइटिड हूं। श्रिया को 2018 में ’मिर्जापुर’ में देखा गया था। सीरीज में उन्होंने स्वीटी का किरदार निभाया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। इसके अलावा, वह ’गिल्टी माइंड्स’, ’ताजा खबर’ और ’द ब्रोकन न्यूज 2’ जैसी सीरीज के लिए भी जानी जाती हैं। उन्होंने साल 2016 में शाहरुख खान की फिल्म ’फैन’ से बॉलीवुड में डेब्यू किया। श्रिया ने इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स में भी अपनी पहचान बनाई है। वह गुरिंदर चड्ढा द्वारा निर्देशित ब्रिटिश सीरीज ’बीचम हाउस’ और दिग्गज फिल्म निर्माता क्लाउड लेलौच की फ्रेंच फिल्म ’अन प्लस उन’ में नजर आई हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

बेंगलूरु | रविवार | 23-06-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

विश्व जागृति मिशन के बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान में रविवार को राजनकुंटे स्थित श्रीधाम आश्रम में सुधांशुजी महाराज के मुखारविंद से 'अमृत ज्ञान वर्षा' प्रवचन श्रृंखला में प्रातःकालीन सत्र में पधारे सदगुरुदेवश्री सुधांशुजी महाराज का स्वागत सपत्निक महेश रहेजा व किशनकुमार ने किया।

'ए गुड फ्लावर नीड्स ए गुड शॉवर' विषयक कार्यशाला आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ सभा गांधीनगर के तत्वावधान में साध्वीश्री उदितयशाजी जी के सान्निध्य में प्रशिक्षिकाओं के लिए 'ए गुड फ्लावर नीड्स ए गुड शावर' कार्यशाला का आयोजन चामराजपेट स्थित जैन स्थानक में हुआ। साध्वीश्री उदितयशाजी ने प्रशिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रशिक्षिका बनना जीवन की एक बड़ी उपलब्धि है, प्रशिक्षिकाएं परिवार को संभालते हुए संघ की सेवा करती है। साध्वीश्री ने कहा कि प्रशिक्षिकाएं केवल निर्जरा के लिए संघ की सेवा करें। नीरस ज्ञान को भी सरस बनाए, व्यवहार में मधुरता रखें एवं स्वयं की जीवन शैली में भी प्रशिक्षिका का रूप प्रकट करें।

साध्वीश्री संगीतश्रीजी ने कहा कि प्रशिक्षिकाएं संघ एवं संघपति के प्रति कृतज्ञता का भाव अर्पित करें। उन्होंने पावर ऑफ टेकनालोजी,एक्सीलेंसी,अट्रैक्शंन, चियरफुल नेचर और हम्बलनैस द्वारा टीच शब्द का अर्थ प्रारूपित किया।

एक प्रशिक्षिका को बच्चों को टैकल करने की कला आनी चाहिए ताकि वो बच्चों को ज्ञानशाला की ओर अट्रैक्ट कर सके।साध्वी श्री जी ने प्रशिक्षिकाओं को उत्पादक की उपमा दी। साध्वीश्री भव्ययशाजी ने कहा कि बच्चों को लालच ना देकर, सही समझ देकर धर्म करने की प्रेरणा दे एवं बच्चों को सही दृष्टि दे। साध्वीश्री संगीतश्रीजी ने प्रशिक्षिकाओं को कुछ प्रश्न भी पूछे। आंचलिक संयोजक माणकचंद संचेती ने ज्ञानशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। क्षेत्रीय संयोजिका नीता गादिया ने आगामी वर्ष के कार्यक्रम की सूचना दी। तेरापंथ सभा के व्यवस्थापक विनय बैद, जोन संयोजिका बबीता चोपड़ा, चेतन वेदमुथा, लता गांधी, मुख्य प्रशिक्षिका मंजू गन्ना, पदमा चोपड़ा का सहयोग रहा। लकी ड्रा विजेता को तेरापंथ सभा द्वारा सम्मान किया।

गुरुशक्ति से जुड़कर हृदय में भगवत शक्ति जगाएं : सुधांशु महाराज

पूर्णिमा के अवसर पर रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विश्व जागृति मिशन के बेंगलूरु शाखा के तत्वावधान में रविववार को राजनकुंटे स्थित श्रीधाम आश्रम में सुधांशुजी महाराज के मुखारविंद से 'अमृत ज्ञान वर्षा' प्रवचन श्रृंखला में प्रातःकालीन सत्र में पधारे सदगुरुदेवश्री सुधांशुजी महाराज का स्वागत सपत्निक महेश रहेजा व किशनकुमार ने किया। हरीश गुप्ता ने सपरिवार व्यासपूजन में भाग लिया। गुरुदेव द्वारा मारवाड़ी भजन सुनकर सभी भक्त झूम उठे। इस प्रवचन श्रृंखला में सुधांशुजी महाराज ने कहा कि गुरु की शक्ति भगवत शक्ति है, इसे अपने हृदय में जगाएं। यह शक्ति हमें धर्म से जोड़ती है अधर्म से बचाती है। संकट में हमारी रक्षा करती है और विकसित होने के लिए प्रेरित करती है।

अपने अंदर की गुरु शक्ति को प्रत्येक दिन जगाएं। सद्गुरु की प्रेरणा से व्यक्ति आंतरिक रूप से परिवर्तित होता है। गुरु नाम मंत्र दुनिया का सबसे कीमती उपहार है। कोशिश करें कि हमारा हृदय हर पल गुरु के आशीर्वाद से भरा रहे। भक्ति और श्रद्धा सद्गुरु में हो तो शिष्य का विवेक जागृत होता है और उसके समस्त शुभ संकल्प पूर्ण होते हैं।

सद्गुरुदेव ने आगे कहा कि समय के साथ-साथ व्यक्ति के बुद्धि पर मैल जमने लगता है जिसके कारण वह अच्छाई के मार्ग को छोड़कर बुराई के मार्ग पर चलने लगता है। सद्गुरु से श्रद्धापूर्वक जुड़ा हुआ व्यक्ति शान्त, आनंदित और प्रेमपूर्ण रहता है। गुरु कृपा से जिसका विवेक जागृत होता है, वह व्यक्ति वाणी, स्वाद, क्रोध, लालच, मन पर नियंत्रण करने में सक्षम हो जाता है। विश्व जागृति मिशन बेंगलूरु शाखा के प्रधान आदित्य टांटिया ने बताया कि ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया है, जिसमें लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

मानव को राग का त्याग करना चाहिए : साध्वीश्री सिद्धप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के हनुमंतनगर स्थित नाहर निवास में साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम में साध्वीश्री ने कहा कि राग जितना कठिन है, सब जानते है । साथ कुछ नहीं जाना है फिर भी मानव इस परिग्रह से आसक्ति बनाए रखता है। सहवर्ती साध्वियों ने गीतिका प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उपस्थित विश्व हिंदू परिषद् के केंद्रीय संयुक्त महामंत्री स्थाणु माल्यन्न, केंद्रीय कोषाध्यक्ष दीपक राजगोपाल, कर्नाटक प्रान्त मंत्री जगन्नाथ शास्त्री व स्थानीय संस्थाओं से आये पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। मूलचंद नाहर ने सभी का स्वागत किया। इस उपलक्ष्य में तेरापंथ सभा हनुमंतनगर अध्यक्ष तेज़मल सिंघवी, महिला मण्डल अध्यक्ष सरोज दुगड़, तेयुप अध्यक्ष अंकुश बैद, मंत्री राजीव हीरावत आदि उपस्थित थे।

राजलदेसर परिषद का आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर आज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय राजलदेसर परिषद द्वारा मानव सेवा चिकित्सा प्रकल्प के अंतर्गत रविवार को आयुर्वेदिक चिकित्सा जाँच शिविर का आयोजन राजराजेश्वरीनगर तेरापंथी भवन में केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान से सहयोग से किया जा रहा है। इस शिविर में डॉक्टरों की टीम द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा द्वारा पारंपरिक स्वास्थ्य जाँच एवं निःशुल्क दवाई उपलब्ध कराई जायेगी।

अध्यक्ष विमल बैद, मंत्री कुलदीप बैद अपने साथियों के साथ इस शिविर की तैयारियों में जुटे हुए हैं। इस शिविर का लाभ उठाने के लिए संयोजक राजेंद्र बैद से मोबाइल क्रमांक 8867904981 पर सम्पर्क कर पंजीकरण करा सकते हैं।

योग अभ्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के सदस्यों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर बागलगुंटे स्थित जेडीएस पार्टी ऑफिस के प्रांगण में योग अभ्यास किया। अनुभवी योग प्रशिक्षकों ने योग अभ्यास करवाया। योग सत्रों के अलावा उपस्थित लोगों को आयुर्वेदिक डॉक्टर शुभमंगला आचार्य द्वारा स्वस्थ भोजन और पोषण के बारे में मूल्यवान ज्ञान प्रदान किया गया। साध्वी निशंका भारतीजी ने संस्थान के आरोग्य कार्यक्रम द्वारा चलायी जा रही गतिविधियों की जानकारी दी ।

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आचार्यश्री विमलसागरसूरीश्वरजी व पदमविमलसागरजी आदि श्रमणी वृंद मैसूरु की तरफ विहार करते हुए शनिवार को पाण्डवपुर जैन संघ में पहुंचे जहां मैसूरु से आए कल्याण मित्र वर्षावास समिति के सदस्य मूलचंद पालरेचा, अशोक दांतेवाड़िया, वसंत राठौड़, कांतिलाल चौहान ने गुरु दर्शन कर मैसूरु चातुर्मास की तैयारियों की जानकारी दी। इस मौके पर पाण्डवपुर जैन संघ के शंकरलाल अशोककुमार सहित पाण्डवपुर संघ के सदस्य उपस्थित थे।

दूसरों के जीवन को बचाने के संकल्प के साथ महेन्द्र मुणोत ने मनाया अपना जन्मदिन

- रक्तदान शिविर में हुआ 108 यूनिट रक्त का संग्रह
- मुणोत के सैंकड़ों प्रशंसकों ने मनाया जन्मदिन, दी शुभकामनाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेन्द्र मुणोत ने अपना 58 जन्मदिवस मनाया। ज्ञातव्य है कि महेन्द्र मुणोत न केवल व्यवसाय में अग्रणी है अपितु सामाजिक कार्य में भी आगे रहते हैं। गत दिनों मुणोत ने अपने पिता की स्मृति में देश की विभिन्न गौशालाओं को 51 लाख रुपये दान देकर गोसेवा का दायित्व निभाया था। मुणोत हमेशा से रक्तदान के भी हिमायती है और समय समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन करते व करवाते रहते हैं। उन्होंने अपने जन्मदिवस को और यादगार बनाने के लिए विजयनगर स्थित प्रतिष्ठान मारुति मेडिकल के पास रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

शनिवार को सुबह 10 बजे शुरू हुए शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और 180 यूनिट रक्त देकर मानवीय मूल्यों को बरकरार रखा। मल्लेश्वरम के बेंगलूरु ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित इस शिविर में तथा मुणोत के जन्मदिवस के मौके पर पद्मश्री पुरस्कार विजेता शताब्दी वृक्षमाते सालुदमारा थिमक्कन पहुंची और मुणोत परिवार को शुभकामनाएं दी। मुणोत ने रक्तदान शिविर में उपस्थित जनों को प्रोत्साहित करते हुए रक्तदान के माध्यम से दूसरों की जिन्दगी बचाने के संकल्प लिया।

शिविर में भाजपा नेता व पूर्व पार्षद एच. रवीन्द्र, उमेश शेट्टी, हिंदू राष्ट्र सेना के पुनित केरेहल्ली, कर्नाटक डिफेंस फोरम के प्रदेश अध्यक्ष रमेश गौड़ा, कस्तूरी कर्नाटक पीपुल्स फोरम के प्रदेश अध्यक्ष के साथ-साथ बीएचएल कर्मचारी संघ, महादेवपुर विधानसभा क्षेत्र कन्नड़ लोक परिषद, बदावनागुड़ी डोड्डा गणेश मंदिर एसोसिएशन, डॉ. बी.आर. अंबेडकर दलित संघ, जैन समाज, विभिन्न राजस्थानी और उत्तर भारतीय संगठन, व्हाट्स फाउंडेशन के प्रमुख आनंदकृष्ण दास, विहंगम योग संस्थान संत किशनलाल के साथ-साथ विभिन्न महिला संगठन के सदस्यों ने मुणोत कोजनमदिन की शुभकामनाएं दी। मुणोत ने अपने जन्मदिन के मौके पर गौपूजा की तथा पद्मश्री विजेता वृक्षमाते सालुदमारा थिमक्कन आदि का सम्मान किया। रक्तदान शिविर की व्यवस्था हम्पीनगर के नवीन शेट एवं सर्व प्राणी दया संघ के उपेन्द्रकुमार ने संभाली।

बसवनगुड़ी में आयोजित दादा गुरुदेव की पूजा में उमड़ी महिला श्रद्धालु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिलभारतीय खरतरगच्छ महिला परिषद बेंगलूरु शाखा के सदस्याओं द्वारा मुनिश्री मलयप्रभसागरजी एवं गुरूवर्याश्री स्वर्णाजनाश्रीजी की निश्रा में आराधना भवन में दादा गुरुदेव की पूजा का विधान लाभार्थी लक्ष्मीदेवी दीपक छाजेड़ परिवार के सौजन्य से सम्पन्न हुई।

पूजन में लाभार्थी परिवार सहित बड़ी संख्या में महिला श्रद्धालु उपस्थित थी। परिषद की अध्यक्ष आरती जैन ने सभी का स्वागत किया एवं लाभार्थी परिवार का धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि महिला परिषद के तत्वावधान में रविवार सुबह अपोलो हॉस्पिटल के डॉक्टर दीपक ईमानदार द्वारा घुटनों के दर्द, गठिया रोग आदि के बारे में जानकारी व परामर्श दिया जाएगा। यह जानकारी परमेश्वरी संखलेचा ने दी।

योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर नवकार बहु मंडल अलसूर की सदस्याओं ने जैन भवन अलसूर में योग शिक्षण शिविर का आयोजन किया जिसमें बोधी इंस्टीयूट इंदिरानगर के योग शिक्षक जसदीप ने उपस्थित महिलाओं को योग का महत्व बताते हुए कहा कि योग से शरीर में स्फूर्ति एवं लचीलापन आता है और मन की स्थिरता बढती है। योग प्रशिक्षक ने सरल योगासनों का अभ्यास कराया और मार्गदर्शन दिया। मंडल की राजेश्वरी तातेड, वसंता खाबिया, सुनीता कांकरिया, दीपिका सांखला, प्रियंका चोरडिया ने व्यवस्था में सहयोग दिया। अलसूर महिला मंडल ने भी भाग लिया।

स्वास्थ्य का आंकलन जरुरी ताकि अनावश्यक उपचार व दवाओं से बचा जा सके : डॉ राकेश निहाल

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। शहर के अक्षय गौ सेवा समिति ने जीतो हुब्बल्ली चैप्टर व एसटी भंडारी चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से डॉ. राकेश निहाल की विशेषज्ञता के साथ स्व-निदान पर केंद्रित एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को यह सिखाना था कि वे अपने स्वास्थ्य का आंकलन कैसे करें ताकि अनावश्यक उपचार और नमक और एंटीबायोटिक दवाओं के अत्यधिक उपयोग से बचा जा सके। इसके अतिरिक्त, गौ रक्षक डीएस भट्ट ने गौमूत्र, घी और गाय के गोबर से बने उत्पादों के उपयोग के लाभों के बारे में बताया। यह कार्यक्रम भंडारी सभागृह में आयोजित किया गया जिसमें भेरूलाल जैन, भवरलाल जैन, दयानंद स्वामी, डीएस भट्ट, भरत जैन, ललित जैन, महेंद्र जैन, सुभाष जैन, प्रवीण चौधरी और अन्य जन उपस्थित थे।

भारत के समर्थन से श्रीलंका दो साल के आर्थिक संकट से निकल आया : विक्रमसिंघे

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने शनिवार को कहा कि श्रीलंका आर्थिक संकट के दो कठिन वर्षों से उबर पाया है और यह भारत से मिले 3.5 अरब डॉलर के वित्तीय सहयोग के कारण संभव हो पाया है। विक्रमसिंघे ने भारत के साथ मजबूत साझेदारी बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया। कोलंबो में 20-22 जून तक आयोजित 31वीं अखिल भारतीय साझेदार बैठक को संबोधित करते हुए विक्रमसिंघे ने कहा कि नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए अपनी पिछली भारत यात्रा के दौरान उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ साझेदारी के प्रमुख क्षेत्रों पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा, दो मुश्किल वर्षों से गुजरने के बाद, मुझे यह स्वीकार करना होगा कि यह इसलिए संभव हुआ क्योंकि भारत ने हमें 3.5 अरब डॉलर का ऋण दिया था। विक्रमसिंघे ने कहा कि पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा उन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है जिस पर दोनों देश संयुक्त रूप से काम करेंगे। उन्होंने कहा, पिछले सप्ताह जब मैं दिल्ली में था, तो मैंने प्रधानमंत्री मोदी से उस संयुक्त कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की जरूरत पर चर्चा की, जिस पर हमने फैसला किया है, सहमति जताई है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com